डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक | प्रयागराज से प्रकाशित | हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com | www.jjnews.in | प्रयागराज,शनिवार 18 मार्च,2023 | वर्ष—07 / अंक—298 प्रष्ठ—08 / मूल्य—2 रूपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाई कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया गया है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव आगे बढ़ाया। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

क्या है कांग्रेस का आरोप?

कांग्रेस ने राज्यसभा के सभापति को जो चिट्ठी लिखी है, उसमें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बयान का जिक्र किया गया है। कांग्रेस ने उनके इस बयान के आधार पर ही विशेषाधिकार हनन का नोटिस भेजा है और आरोप लगाया है कि प्रथम दृष्टया में ही पीएम की यह बातें न सिर्फ अपमानजनक थी, बल्कि नेहरु परिवार के सदस्यों खासकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी, जो कि लोकसभा सदस्य भी हैं, उनके प्रति असम्मानजनक और मानहानि वाली थीं।

क्या बोले थे पीएम मोदी, जिस पर लाया गया प्रस्ताव?

कांग्रेस ने अपनी चिट्ठी में पीएम मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया है। पीएम ने कहा था, ष्मुझे बहुत आश्चर्य होता है कि चलो बाई, नेहरू जी का नाम हमसे कभी छूट जाता होगा और यदि छूट जाता है, तो हम उसे ठीक भी कर लेंगे, क्योंकि वे देश के पहले प्रधानमंत्री थे, लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि उनकी पीढ़ी का कोई भी व्यक्ति नेहरु जी का सरनेम रखने से क्यों डरता है? क्या शर्मिंदगी है? नेहरु सरने रखने में क्या शर्मिंदगी है? इतना बड़ा महान व्यक्ति आपको मंजूर नहीं है, परिवार मंजूर नहीं है...ष

कांग्रेस नेता ने क्या तर्क दिया?

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने इस चिट्ठी में कहा, ष्प्रधानमंत्री का यह कहना कि गांधी परिवार के सदस्यों ने नेहरु सरनेम क्यों नहीं लिया, अपने आप में काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि बेटी शादी के बाद अपने पिता का सरनेम नहीं रख सकती। यह जानने के बावजूद उन्होंने

जानबूझकर इस बात का मजाक बनाया। इसके अलावा इस मामले को और वृहद तरीके से बताए जाने की जरूरत नहीं है। इतना ही नहीं, पीएम के बात करने का लहजा और आशय अपमानजनक था। यह प्रधानमंत्री की ओर से सोनिया गांधी और राहुल गांधी की छवि गढ़ने जैसा था, जो कि दोनों के विशेषाधिकार का हनन है और इस सदन की भी अवमानना है।

भाजपा का गंभीर आरोप, केजरीवाल के घर पर रची गई थी शराब घोटाले की साजिश

भाजपा ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की शराब नीतियों में परिवर्तन कर भ्रष्टाचार से काली कमाई करने की साजिश अरविंद केजरीवाल के घर पर रची गई। जिस बैठक में शराब नीतियों में परिवर्तन का निर्णय लिया गया, उसमें केजरीवाल के साथ—साथ सत्येंद्र जैन, संजय सिंह और ।।च पार्टी के कई शीर्ष नेता उपस्थित थे। भाजपा का आरोप है कि इससे आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचारी मॉडल का पर्दाफाश हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना कहा कि देश की न्यायिक प्रणाली अपने अनुसार भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर कार्रवाई कर रही है, और जो लोग भी भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाएंगे, उन पर कानून की प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि देश में जिन राजनीतिक दलों ने अपने ऊपर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है, उनमें से लगभग सभी पर 2014 के पहले ही भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए गए थे। इसमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और अन्य सभी पार्टियों के नेता शामिल हैं। ऐसे में यह आरोप सही नहीं है कि राजनीतिक द्वेष के कारण किसी नेता पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तथ्यों के प्रकाश में यह साबित हो गया है कि आम आदमी पार्टी के सभी नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

नैमिष में च्चौरासी कोसीय परिक्रमा के अन्तिम दिन कवि सम्मेलन का किया गया आयोजन

मिश्रित—नैमिष महर्षि दधीचि की पौराणिक बसुंधरा की तपोभूमि पर 84कोशीय परिक्रमा एवम होली महोत्सव के अंतिम दिन बुधवार की रात को शानदार अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।इस काव्य गोष्टी में देश के विभिन्न राज्यो के कवि एवम कवयित्रियों ने अपना काव्य पाठ प्रस्तुत किया। इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध ओजरस के कवि राष्ट्रकवि डॉ0 हरिओम पवार ने राष्ट्रीय मुद्दों जिसमें देश की सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, सीमाओ की सुरक्षा से संबंधित, फौजियों की पेंशनआदि मुद्दों पर काव्य पाठ प्रस्तुत कर पूरे पंडाल को तालियों की आवाज से भर दिया। श्री पावर के काव्य पाठ में राष्ट्रहित सर्वोपरि रहा। जिसमें—पाकिस्तानी कब्जे वाला सब कश्मीर हमारा है,सपनो में बालाकोट दिखाई देता हैदिल्ली के सिंघासन पर एक शेर दिखाई देता है।भारत ने हर समझौते का आदी बनना छोड़ दिया, कुछ बातों में हमने बापू गांधी बनना छोड़ दिया।नई सदी का भारत है बासठ वाला देश नही।हमने अपने संविधान से 370धारा हटा दिया।मैं चारण हूं चौराहो पर आंख मिलाकर पूछूँगा। वही डॉ हरिओम पवार ने करुण रस का काव्यपाठ कर सभी के आंखों में आंशू ला दिया उन बेटो की याद कहानी लिखते लिखते रोया हूं कोई मोल नही दे सकता बसन्ती अहसासों का। मन तो मेरा भी करता है झूमो नाचूँ गाऊ मैं। कवि श्री जगदीप शुक्ल अंचल जो पत्रकार के साथ साथ कवि भी है ने अपने काव्य पाठ में श्वेत श्याम ऊंच नीच का रंचमाने भेद अंतर मिटाता रहे पास वंदे मातरम, सैनिकों की शक्ति आदि काव्य पाठ प्रस्तुत कर सच्चे देशभक्त की की भूमिका प्रस्तुत किया। काव्य गोष्टी में में अम्बेडकर नगर से आये कवि श्री अभय निर्भीक ने भारत माँ का हरगिज सम्मान नही खोने देंगे, अपने पूज्य तिरंगे का अपमान नही खोने देंगे पर खूब तालियां बटोरी। रायपुर के कवि रमेश विश्वहार ने नीर की आस लेके बैठी है एक नदी प्यास लेके बैठी है।जब से आंखों में तुम समाये हो नींद सन्यास लेके बैठी है।अमन अक्षर इंदौर ने वात्सल्य रस काव्यपाठ—उन्ही आंखों को चश्मे की कही ज्यादा जरूरत है जिन्हें मां—बाप का छूटा हुआ चस्मा नही दिखता पर वर्तमान के परिवारों का दर्द झलका दिया।दमदार बनारसी ने ने काव्य पाठ के महत्व को इस तरह प्रस्तुत किया—कविता मन के कटुतारूपी दागो को धो देती है, कविता श्रोताओ के मन मे संस्कार बो देती है। हास्य रस के कनपुरिया कवि चुटकुला सम्राट हेमन्त पांडेय ने अपने चुटकुलों से महफिल को खूब मनोरंजन कराया बाबा के बुलडोजर पर खूब फिरकी ली माफियाओ की कमरतोड़ चुटकुलों से खूब हंसाया नैनीताल की गौरी मिश्रा ने महर्षि दधीचि की पावन भूमि को नमन कर काव्य पाठ प्रस्तुत किया—चलेंगे कौश चौरासी मनाएंगे तभी होली, ये मन खुशियो से भर जाय चलो रंगले सभी होली,तपस्चर्या की दिन चर्चा यहाँ पग पग विराजित है हृदय भावन बड़ी पावन नैमिषारण्य की होली आदि गीतों से भीड़ को भक्तिमय होली से सराबोर कर दिया।जबलपुर से लंबा सफर तय कर मिश्रित काव्यपाठ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने आई श्रृंगार रस की कवयित्री मणिका दुबे ने चंद लमहे मेरे हर पल आपके काव्य पाठ प्रस्तुत कर युवाओ की धड़कने बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों व दर्शको द्वारा अवगत कराया कि इस बार के कवि सम्मेलन में अपार भीड़ रही जो ऐतिहासिक भीड़ है। इतने लोगो के जुड़ने से नैमिषारण्य मिश्रित की पावन तपोस्थली धन्य हो गई। इतनी भीड़ से भाईचारे की अनुभूति हुई। अतिविशिष्ट दीर्घा में बैठे विधायक रामकृष्ण भार्गव व विधानपरिषद सदस्य पवन सिंह चौहान से मंच संचालक से लेकर सभी कवियों ने खूब हास्य परिहास की कविताओं से खूब गुदगुदाया वही कवि सम्मेलन सुनने के लिए काफी दूर दराज से लोगों पहुचे थे भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आयुष गुप्ता का नीट पीजी में हुआ चयन

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर) । मुंगराबादशाहपुर नगर के नई बाजार मोहल्ला निवासी आयुष गुप्ता पुत्र आशीष गुप्ता द्वारा नीट पीजी में सफलता हासिल करते हुए आल इंडिया में 3000 वीं रैंक हासिल करने क्षेत्रीय लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। बताते चलें कि आयुष गुप्ता नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्त के भतीजे है। आयुष गुप्ता के सफलता हासिल करने पर उनके आवास पर जाकर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में फहीम अंसारी, विश्वनाथ जायसवाल, तन्मय गुप्त , पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कपिल मुनि गुप्त, निवर्तमान चेयरमैन शिव गोविन्द साहू आदि मुख्य रहे।

नशे के विरुद्ध एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने को किया जागरूक

नशे को समूल नष्ट करने के लिए सभी को एक साथ काम करना होगा— डॉ. अशोक कुमार वर्मा सोनीपत। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के प्रमुख श्री अमिताभ सिंह ढिल्लों भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गन्नौर में एक दिवसीय 16वां नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के प्राचार्य रामबीर सरोहा की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आरम्भ किया गया। हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी एवं उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे हुए थे। उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि आज देश में नशा एक भयानक रूप ले चुका है जिसे समूल नष्ट करने के लिए सभी को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा। हमे अपने बीच में रहने वाले नशा तस्करों और अपराधियों की पहचान करने की आवश्यकता है जो हमारे युवाओं को पथभ्रष्ट कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि उन्हें उनके उचित स्थान तक पहुंचाया जाए। डॉ. वर्मा ने एनसीबी हरियाणा द्वारा उठाए गए ठोस कदमों बारे विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि नशे के व्यापार में संलिप्त अपराधियों की सम्पति को जब्त करने के साथ साथ अवैध सम्पतियों पर पीला पंजा अपना काम कर रहा है। उन्होंने 9050891508 पर चर्चा करते हुए कहा कि नशे का कारोबार करने वाले व्यक्तियों की गुप्त सूचनाएं देने के साथ साथ नशा छोड़ने वाले भी इस पर सम्पर्क कर सकते हैं। सभी विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने नशा न करने की शपथ ली। इस अवसर पर सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार, प्रयास प्रधान विनोद शर्मा, सचिव राजेश कौशिक एवं सदस्य जितेंद्र, पंकज बंसल, अरविन्द सहित छात्र उपस्थित रहे।

अतीक से संबंध रखने वाला 50 हजार का ईनामी मुठभेड़ मे घायल

शूटर गुड्डू मुस्लिम से भी वहीद के थे संबंध बांदा। कुख्यात अपराधी अतीक अहमद से संबंध रखने वाला 50 हजार का ईनामी गुरूवार को पुलिस की संयुक्त मुढभेड़ मे घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि कुख्यात बदमाश वहीद को पुलिस ने गिरफ्तार करने के लिए घेराबंदी की लेकिन उसने पुलिस पर दो फायर झोंक दिया। पुलिस ने भी आत्मरक्षा मे गोली चलाई गोली बदमाश के पैर मे लगी जिससे वह गिर गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

ब्रज मंडल का इस्लामीकरण कभी स्वीकार नहीं करेगा ब्रज भूमि कल्याण परिषद

वृन्दावन।प्रेम गली–बनखंडी क्षेत्र स्थित अन्नपूर्णा देवी मंदिर में ब्रज रक्षार्थ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।जिसमें 84 कोस में फैले ब्रज के प्राचीन स्वरूप व स्थलों को सुरक्षित व संरक्षित करने की केंद्र व प्रदेश सरकार से मांग की गई।कॉन्फ्रेंस में ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा 20 फरवरी 1987 को ब्रज चौरासी कोस के प्रमुख धर्म केंद्र कामवन (कामा) और लठ्घ्वन (डीग) को मेवात क्षेत्र की मान्यता दे दी गई और मेवात विकास बोर्ड का निर्माण मुस्लिम तुष्टिकरण एवं क्षेत्र का सांप्रदायिक विभाजन अलवर और भरतपुर जिलों की तुष्टीकरण की राजनीति के अंतर्गत राजस्थान सरकार द्वारा किया गया। इसमें भरतपुर जिले की 3 एवं अलवर जिले की 7 पंचायत समितियों को मुस्लिम जनसंख्या के आधार पर मेवात क्षेत्र की मान्यता दी गई।प्रमुख समाजसेवी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि ब्रज चौरासी कोस की रक्षा करना हम सबका धर्म है।ब्रज भूमि के गौरव व मान–सम्मान की हानि कोई भी ब्रजवासी सहन नहीं करेगा।आवश्यकता होगी तो इसके लिए वृहद स्तर पर आंदोलन करने से भी ब्रज भूमि कल्याण परिषद पीछे नहीं हटेगी।हमारा संगठन विगत कई वर्षो से राजस्थान हरियाणा और पूरे देश में मेवात विकास बोर्ड को हटाने के लिए भंग करने के लिए और ब्रज विकास बोर्ड बनाने के लिए संघर्षरत है।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा की ब्रज की रक्षा के लिए बृजवासी और कृष्ण भक्त अपना तन–मन–धन सब कुछ न्योछावर कर देंगे।ब्रज के धर्माचार्य और संत समाज में ब्रजभूमि मेवात का तमगा लगाने के कारण अत्यधिक रोष है और आंदोलन की पृष्ठभूमि 30 वर्षो से तैयार हो रही है। उन्होंने बताया कि ब्रज रक्षा के अंतर्गत ब्रज रक्षा सम्मेलन का आयोजन दिनांक 9 अप्रैल 2023 को वृंदावन में आयोजित किया जा रहा है।जिसमें असंख्य ब्रज भक्त व ब्रजवासी भाग लेंगे।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद के संस्थापक रामकृष्ण गोस्वामी ने कहा की ब्रजभूमि को मेवात की मान्यता देना ब्रज संस्कृति के विरुद्ध है।इस सांप्रदायिक विभाजन को पाकिस्तान निर्माण और भारत के विभाजन की आधारशिला बनाया गया है।ब्रज क्षेत्र मानवीय सनातन धर्म का प्रमुख केंद्र है।साथ ही भारतीय वैदिक संस्कृति, सनातन धर्म, इतिहास व परंपरा और शासन व्यवस्था की केंद्रीय शिक्षा भूमि है।ब्रज में जन्मे भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में धर्म के विषय में अर्जुन को श्रीमद्भगवदगीता की शिक्षा दी थी।ब्रज की रक्षा ही सनातन धर्म की रक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं शांति का आधार है!इस अवसर पर गीता परिवार के जिलाध्यक्ष अश्वनी जावली (अलवर), पंडित रामनिवास शर्मा, डॉ. राधाकांत शर्मा, ईश्वरचंद रावत, बाबा कर्मयोगी, कृष्ण कन्हैया पदरेणु, कपिल आनंद चतुर्वेदी, पंडित जोगेंद्र भारद्वाज आदि उपस्थित थे.डॉ. गोपाल चतुर्वेदी।

करह बिहारी सरकार का उन्नीसवां अष्टदिवसीय सियपिय मिलन महोत्सव 19 मार्च से

वृन्दावन।दावानल कुंड क्षेत्र स्थित करह आश्रम में विजय राघव सरकार ट्रस्ट के तत्वावधान में अनन्तश्री विभूषित करह बिहारी सरकार बाबा राम दास महाराज का 19 वां अष्टदिवसीय सियपिय मिलन महोत्सव 19 मार्च से 26 मार्च 2023 पर्यंत अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है।महोत्सव की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव का शुभारंभ 18 मार्च को अपराह्न 3 बजे से निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के साथ होगा।इसके साथ ही दैनिक प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक अष्टोत्तरशत श्रीराम चरित मानस का सामूहिक पाठ व्यास कुंवरपाल शास्त्री महाराज की अगुवाई में किया जाएगा।प्रातः 10 से 2 बजे तक रासलीला का नयनाभिराम मंचन प्रख्यात रासाचार्य स्वामी फतेहकृष्ण शर्मा के निर्देशन में होगा।सायं 4 से 6 बजे तक संतों एवं विद्वानों के प्रवचन आदि होंगे।साथ ही अखंड चौबीस चौपाई पाठ, श्रीभगवान्नाम संकीर्तन, रूद्राभिषेक आदि के अलावा यज्ञाचार्य दामोदर शास्त्री महाराज के आचार्यत्व में शतचंडी महायज्ञ का अनुष्ठान संपन्न होगा।करह आश्रम के प्रबन्धक राम अवतार ष्भगतजीष महाराज ने सभी भक्तों–श्रृद्धालुओं से इस महोत्सव शामिल होने का आग्रह किया है।डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

9412178154

सुरेश यादव का किया गया सम्मान

मुंबई। भांडुप स्टेशन रोड स्थित सुप्रसिद्ध बगीचा होटल में समाजसेवी सुरेश रामशिरोमणि यादव का सत्कार किया गया। समारोह की अध्यक्षता मुंबई के प्रख्यात समाजसेवी वरिष्ठ राजनेता रामनगीना यादव ने किया । समारोह में अतिथियों के रूप में समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव, शिक्षक सेना मुंबई उपाध्यक्ष मनीराम यादव, समाजसेवी रमेश यादव, मदनलाल मौर्य एवं कवि चंद्रशेखर यादव (चंदू) जैसे कई गणमान्य जनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

मातृशक्ति ने हर्षोल्लास से मनाया शीतलाष्टमी एवं गणगौर का त्यौहार

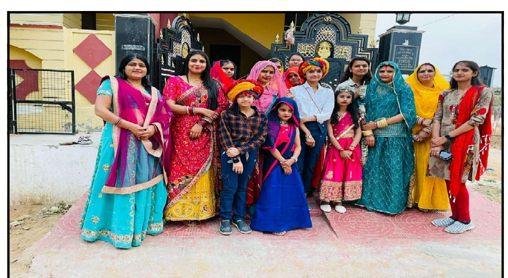

जयपुर राजस्थान। मातृ शक्ति फाउंडेशन के तत्वाधान में शीतला अष्टमी व गणगौर का त्यौहार बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।फाउंडेशन अध्यक्षा सुनीता भारद्वाज ने बताया गणगौर हमारी संस्कृति का एक हिस्सा है जो हमारे राजस्थान का बहुत ही प्रसिद्ध त्योहार है इसको महिलाएं बड़े ही मनोभाव से धार्मिक पर्व के रूप में मनाती हैं, यह सुहाग का पर्व गणगौर 16 दिन तक पूजा पाठ कर मनाया जाता हैं इसमें शीतला अष्टमी को दूल्हा दुल्हन बनते हैं। कुंभकार के यहां महिलाएं गणगौर बनवाने जाती हैं और 16 दिन तक इसकी पूजा करती हैं। गणगौर पूजन के समय संस्था की कई सदस्य उपस्थित रहीं जिनमें मुख्यरूप से मानसी , मालती , मोनिका, अंजली भारद्वाज, रेखा , पिंकी, रितिका , खुशी, ईशा, मुस्कान आदि ने बढ़कर हिस्सा लिया तथा मन्नत मांगी।

शशी मोदी एनसीएचडब्ल्यूओ की महिला उपाध्यक्ष बनी

श्रीगंगानगर , ।श्रीगंगानगर निवासी समाज सेविका शशी मोदी को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार नियंत्रण एवं जन कल्याण संगठन के राजस्थान प्रदेश के महिला प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।संगठन की प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट सीता चारण व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पुष्पा भाटी की अनुशंसा पर संगठन के राष्ट्रीय प्रशासक ब्रिगेडियर हरचरण सिंह द्वारा लिए गए इंटरव्यू पर राष्ट्रीय मुख्य सचिव रंजीत वर्मा ने समाज सेविका शशिमोदी की महिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति करने के साथ ही जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करने के निर्देश प्रदान किए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में भ्रष्टाचार नियंत्रण में अपनी प्रमुख भूमिका अदा करने के साथ साथ जनकल्याण कार्य में भी भागीदारी निभाने के लिए निर्देशित किया है शशि मोदी वर्तमान में श्रीगंगानगर जिले में समाज के लिए 20 वर्ष से कार्य कर रही हैं और महिलाओं के उत्थान के प्रति उनके वाली द्वारा किए गए सराहनीय कार्य को देखकर उन्हें नियुक्ति प्रदान की गई है। समाज सेविका शशि मोदी की नियुक्ति पर श्रीगंगानगर जिले सहित राजस्थान प्रदेश के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की है।

राम नवमी को भव्य रूप में मनाने की तैयारियां जोरों पर

विकास खंड मछलीशहर के राम जानकी मठ तिलौरा की ओर से इस वर्ष रामनवमी को भव्य रूप में मनाने की तैयारियां जोरों पर जारी हैं। तैयारी की पहली कड़ी में राम जानकी मठ तिलौरा के मठाधीश रवीन्द्र जी महाराज बीते 11 मार्च से भिक्षा यात्रा कार्यक्रम चला रहे हैं जो 21 मार्च तक चलेगा। गुरुवार को रवीन्द्र जी महाराज ने गांव बामी में भिक्षाटन करते समय बताया कि इस अभियान में वह बामी सहित आस– पास के तिलौरा, अलापुर, करौरा,भाटाडीह, कल्याणपुर, बंधवा बाजार,अदारी, जगदीशपुर,सोनहरा,सेमरहो, रामगढ़, माधोपुर, भिखारीपुर, भटेवरा, सवैया,चौकी खुर्द आदि गांवों से भिक्षाटन कर रहे हैं।21 मार्च को भिक्षाटन अभियान पूरा होने के पश्चात 22 मार्च से 31 मार्च तक मौन तपो अनुष्ठान, अखंड दीप प्रज्ज्वलन, प्रतिदिन कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। 30 मार्च को राम नवमी के दिन सुबह 8 बजे भगवान राम जानकी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा शाम 5 बजे जन सहयोग से निर्मित हो रही गौरी गौशाला का उद्घाटन होगा तत्पश्चात शाम 6 बजे ग्यारह हजार दीपक जलाकर दीपोत्सव कार्यक्रम किया जायेगा।31 मार्च की सुबह हवन के पश्चात शाम को विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें वह दस से बारह हजार तक भक्तगणों को प्रसाद ग्रहण कराने की तैयारी कर रहे हैं। स्वामी जी ने बताया कि उनके भिक्षा यात्रा कार्यक्रम को क्षेत्र के लोगों की ओर से अच्छा जन सहयोग मिल रहा है और भिक्षा संग्रहण में बामी सहित आस –पास के देवीभक्त सहयोग कर रहे हैं।

प्रयागराज शूटआउट माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता पर बढ़ाई जा सकती है इनाम की राशि,तलाश जारी

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर जल्द इनाम की राशि बढ़ सकती है।अभी शाइस्ता परवीन पर 25 हजार रुपये का इनाम है।सूत्रों से खबर है कि शाइस्ता परवीन बुर्के की आड़ लेकर पुलिस को जबरदस्त चकमा दे रही है।

पुलिस को आशंका है कि शाइस्ता कौशांबी जिले में छुपी हुई है।शाइस्ता कौशांबी की रहने वाली है और माफिया अतीक अहमद के कई गुर्गे और करीबी भी इसी इलाके में रहते हैं। शाइस्ता की तलाश में अतीक के गुर्गों और करीबियों के यहां पुलिस छापेमारी कर रही है,लेकिन बुर्के से महिलाओं का चेहरा देखने में पुलिस को दिक्कत हो रही है।

उमेश पाल की हत्या में फरार शाइस्ता

शाइस्ता परवीन सीसीटीवी फुटेज में पांच लाख के इनामी शूटर साबिर के साथ दिखाई दी थी। शाइस्ता अतीक के गुर्गे बली पंडित से मिलने गई थी। ये सीसीटीवी फुटेज उमेश पाल की हत्या के चार दिन पहले 19 फरवरी का बताया जा रहा है।सूत्रों के मुताबिक उमेश पाल हत्याकांड के बाद सभी शूटर चकिया में उस घर में पहुंचे थे, जहां पर शाइस्ता परवीन किराए पर रह रही थी। शाइस्ता ने घर पर शूटरों को पैसा दिया और फिर शूटर वहां से फरार हुए।

पहले से शाइस्ता परवीन पर तीन मुकदमे

उमेश पाल हत्याकांड में जिस सफेद कार क्रेटा का इस्तेमाल किया गया वो गाड़ी भी शाइस्ता के घर के बाहर चकिया की सड़क पर खड़ी मिली थी। उमेश पाल हत्याकांड से पहले शाइस्ता परवीन पर तीन मुकदमे थे। शाइस्ता परवीन की शादी 1996 में माफिया अतीक अहमद से हुई थी। शाइस्ता परवीन एक पुलिस सिपाही की बेटी है और अब पुलिस को चकमा दे रही है।

बिजली विभाग के कर्मचारियों की दबंगई आई सामने पूरे जिले में लाइट को किया था

बिजली विभाग के कर्मचारियों की 72 घंटे की हड़ताल से पूरा जिला बिजली के लिए त्राहि–त्राहि कर रहा है कहीं पर पानी की समस्या है तो कहीं पर नेटवर्क की समस्या कहां पर कंप्यूटर बंद है लगभग 50 परसेंट मोबाइल स्विच ऑफ हो चुके हैं चार्ज करने की सुविधा नहीं है आदमी का आधा काम बंद हो चुका है कहीं पर उजाले की समस्या इस समय सरकार जो है ग्रामीण क्षेत्रों में पहले मिट्टी का तेल कोटा में दिया करती थी लेकिन इस समय वह भी आना बंद है और लाइट की कटौती किए हुए 36 घंटे हो चुके हैं अभी तक लाइट नहीं आई है शाम होने के बाद घरों में अंधेरा हो जाता है किसी के पास इमरजेंसी है तो किसी के पास नहीं है मिट्टी के तेल मिलता नहीं तो कैसे आदमी अपने घरों में उजाला करें कोई भी जरूरत रात में पड़े तो कैसे करें लेकिन सरकार के कहने के बावजूद कर्मचारी नहीं सुन रहे हैं इसका मतलब क्या है या तो सरकार लापरवाह है या तो कर्मचारी लापरवाह है जिससे पूरा प्रदेश झेल रहा है।

आजादी सेनानी महेन्द्र मिश्र पूरबी धूनों के सम्राट थे,१३७वीं जयंती पर याद किये गये

वाराणसी।विश्व भोजपुरी संघ द्वारा रामकटोरा में पूरबी धूनों के सम्राट कहे जाने वाले आजादी सेनानी रहे लब्ध लोकगीतकार और ख्यात संगीतकार पं.महेन्द्र मिश्र की १३७वीं जयंती श्रद्धापुर्वक मनाते हुये उनके विशद कृतित्वों और भव्य व्यक्तित्व को याद करते नमन वंदन किया गया ।

मुख्य अतिथि डा.जितेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि महेन्दर मिसिर बहुआयामी प्रतिभा के धनी भोजपुरी साहित्यलोक के एक जाज्वल्यमान नक्षत्र थे ।

अध्यक्षता करते हुये विश्व भोजपुरी संघ के महासचिव डा.अपूर्व नारायण तिवारी ष्बनारसी बाबूष ने कहा कि १६ मार्च १८८६ को मिश्रवलिया छपरा में जन्मे महेन्द्र मिश्र पूरबी परंपरा के पुरौधा और भिखारी ठाकुर के साहित्यिक सांगितिक गुरु माने जाते हैं ।उस दौर में कलकत्ता, मुजफ्फरपुर,पटना से लेकर बलिया,बनारस तक की सभी तवायफों के वे गुरुतुल्य थे और उन्ही की रचनायें वे गाया करती थीं ।उनका घर क्रांतिकारियों का गुप्त अड्डा होता था । वे नोट छाप कर क्रांतिकारियों की आर्थिक मदद करने और ब्रिटिश हुकूमत की चूल हिलाने का कार्य करते थे ।वे हारमोनियम, तबला, झाल, मृदंग, पखावज और बाँध्सूरी वादन में पारंगत और ठुमरी, टप्पा,पूरबी, कजरी, निर्गुण, बारहमासा, गजल और भजन गायन में सिद्धहस्त थे ।उनकी रचनाओं में श्रृंगार, प्रेम, विरह, वियोग, दर्द, आजादी और क्रांतिकारी तेवर की भरमार है ।उनकी कृतियों में अपूर्व रामायन, महेन्द्र प्रभावली,महेन्द्र मंजरी, महेन्द्र गीतावली, महेन्द्र विनोद,महेन्द्र दिवाकर,महेन्द्र मंगल , भीष्म प्रतिज्ञा आदि बहुचर्चित हैं ।वे सदैव कालजयी बने रहेंगे ।

उनकी चुनिंदा रचनाओं का पाठ किया गया ।ष्अंगुरी में डंसले बिआ नगिनिआ रे ष् ष्हमरा नीक ना रागे रामा ! गोरन के करनी, रुपैया ले गईलें बदला ढल्ली के दुअन्नीष् ष्बनवारी हो ! कइसे जाएब ससुराल ।

स्वागत राजेंद्र गुप्त , अध्यक्षता डा.अपूर्व नारायण तिवारी ने की ,मुख्य अतिथि डा. जितेन्द्र नाथ मिश्र थे और आभार डा.दिनेश सिंह ने किया ।

उपस्थित लोगों में ओ.पी. शर्मा,ब्रजेश पांडेय, सुरेश पांडेय,शिवशंकर सिंह,राजन कसेरा, डा.बी.एन. द्विवेदी,बच्चेलाल गौड़,मुन्नालाल, शंभूनाथ आदि थे ।

भवदीय

अपूर्व नारायण तिवारी

महासचिव विश्व भोजपुरी संघ

भारत वर्ष में महिलाओं के लिए कार्य कर रही संस्था.. महिला उन्नति संस्था

दिनांक 15 मार्च 2023 को भारत वर्ष में महिलाओं के लिए कार्य कर रही संस्था.. ष्महिला उन्नति संस्थाष के बैनर तले मध्य प्रदेश शाखा के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में शिक्षा, समाज सेवा एवम महिला जागरूकता में कार्यरत महिलायें नेहा फातिमा, शांति देवी,कमलेश, सुनीता, इंदु गौतम आदि को अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अभियंता श्री जितेन्द्र कुमार रमन जी ने संस्था के कार्यों की सराहना की तथा संस्था की मध्य प्रदेश अध्यक्ष दीप्ति दीप जी ने अपने संबोधन में महिलाओं को स्वयं सशक्त होने पर बल दिया। संस्था के संस्थापक डॉक्टर राहुल वर्मा जी ने नोएडा से वीडियो कॉल के माध्यम से संस्था के कार्यों एवं महत्व को बताया।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

संयुक्त निदेशक एवं अन्य अधिकारियों ने जनपद के विभिन्न शीतग्रहों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

निदेशालय, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ से आये हुए संयुक्त निदेशक श्री बी0पी0 राम, श्री कृष्ण मोहन चौधरी, उप निदेशक उद्यान, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, श्री सुरेन्द्र राम भाष्कर, जिला उद्यान अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से जनपद प्रयागराज के शीतगृह अभिषेक कोल्ड स्टोर, गद्दोपुर, भोला इण्डस्ट्रीज, गद्दोपुर, कृष्णा शीतालय, गद्दोपुर, हिमालय कोल्ड स्टोरगद्दोपुर, आदर्श कोल्ड स्टोर, गद्दोपुर, फाफामऊ तथा होलागढ़ में मां शारदा शीतालय, होलागढ़, आर0वी0 एस0 शीतालय, होलागढ़, मां विन्ध्यावासिनी कोल्ड स्टोर, केशरवानी शीतालय, सोराव, सोरांव कोल्ड स्टोर, सोराव, लहटी कोल्ड स्टोर, माधवनगर, बहरिया, फरूखाबाद कोल्ड स्टोर, तेलियरगंज, प्रयागराज आदि शीतगृहों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सभी शीतगृह स्वामियों को निर्देशित किया गया कि आलू किसान अधिकार पत्र, भण्डारण की सूचना जिसमें शीतगृह की क्षमता व रिक्त स्थान तथा भण्डारण किराया दर प्रति कुन्तल को डैशबोर्ड हर कोल्ड स्टोर पर लगा हुआ पाया गया तथा उपस्थित किसानोंभण्डारणकर्ताओं को बताया गया कि अपना समस्त आलू कोल्ड स्टोर में तुरन्त रखवायें। जनपद के शीतगृहों में 40—50 प्रतिशत तक आलू भण्डारण के लिए जगह खाली है। इसमें समस्त किसान भाई अपना आलू भण्डारण कर सकते है एवं उपस्थित किसानों को आपरेशन ग्रीन योजना के अन्तर्गत भण्डारण शुल्क का अनुदान प्राप्त करने हेतु अधिक से अधिक मात्रा में शीतगृह में आलू का भण्डारण करें तथा भारत सरकार द्वारा संचालित आपरेशन ग्रीन योजना का लाभ उठायें। इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसान भाईयों से अनुरोध है कि जिस खेत बोये हुए खेत में जहां से खुदाई होकर आलू की लोडिंग हो रही है। उसका जी0पी0एस0 कैमरें से फोटोग्राफ लेकर एवं रास्ते में किसी काटे पर आलू की तौल कराकर रसीद प्राप्त कर लें या कोल्ड स्टोरेज के काटे पर कुछ बोरियो का तौल कराते हुए उसका फोटोग्राफ ले लें। आलू भण्डारण करें एवं शीतगृह मालिक से भण्डारण शुल्क, भण्डारण की रसीद कुन्तल में प्राप्त करें एवं शीतगृह मालिक को भण्डारण शुल्क अपने बैंक खाते से पेमेन्ट करें। यह सभी अभिलेख एकत्र कर आन लाइन पोर्टल ीजजचेरू ध्ध्उचंकं—उवचिप.हवअ.पदध्वहपदध्च• पर आवदेन करें। इसका लाभ व्यक्तिगत किसान एवं एफ0पी0ओ0ध्एफ0पी0सी0ध्लाइसेंस सुदा कमिशन एजेन्ट एवं फुटकर व्यापारी प्राप्त कर सकते है। किसान भाई अपनी खतौनी आदि अभिलेख अपलोड करेगें।

बेमौसम बरसात की संभावना से कृषक रहे सतर्क

मौसम केंद्र लखनऊ के आंकड़ों के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिनों में गरज चमक के साथ बेमौसम बरसात एवं 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावनाएं हैं। इस अवधि में कटाई एवं बुवाई के लिए किसानों को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। बेमौसम बरसात की वजह से जिन स्थानों पर फसल खड़ी है एवं कटाई के योग्य है, विशेषकर गेहूं ,सरसों, चना, मटर इत्यादि में अधिकाधिक जल निकास का उचित प्रबंध करें एवं तैयार फसल की तुरंत कटाई करके उचित स्थान पर रख कर उपज को पॉलीथिन शीट से ढक दें, विशेषकर आलू की फसल के लिए सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें। मक्का ,उर्द ,मूंग की बुवाई को रोककर अधिक वर्षा जल जमाव की स्थिति में पानी को बाहर निकालने की उचित व्यवस्था करें। तेज हवाओं की स्थिति में गेहूं की सिंचाई तत्काल रोक दें एवं किसी प्रकार के उर्वरकों एवं रसायनों का छिड़काव हवा के शांत होने पर ही करें। जायद फसलों यथा मक्का,उर्द,मूंग इत्यादि की यदि बुवाई हो गयी है तो अंकुरण के लिए खेत में उचित नमी बनाए रखें क्योंकि तेज हवाएं वाष्पीकरण द्वारा भूमि की नमी को उड़ा ले जाती हैं और अंकुरण के साथ—साथ फसल भी प्रभावित होती है ।

हजरत मुराद शाह बाबा रहमतुल्लाह अलेह वा घूरे शाह बाबा रहमतुल्लाह अलेह का उरूस संपन्न

झुग्गी झोपड़ी रिपोर्टर इसरार अंसारी 16 मार्च रात 10रू00 बजे आज उर्स मुबारक के मौके पर हजरत मुराद शाह बाबा रहमतुल्लाह अलेह एवं घूरे शाह बाबा का उर्फ धूमधाम से मनाया गया है बड़ी संख्या में सुबह से लोग फातिहा पढ़ने मुराद मांगने के लिए चौखट पर हाजिरी लगाते हुए रहे कुछ राजनीतिक पार्टी के लोग भी चुनाव को देखते हुए दुआ मांगने पहुंचे जिसमें मुख्य नंदा निषाद पार्षद वजीर खान शानू हाशमी आसिफ अंसारी युसूफ एवं मिश्रा जी बड़ी संख्या में लोग नंदा पार्षद के साथ पहुंचे

दिनांक १६.०३.२०२३ को थाना पूरामुफ्ती क्षेत्रान्तर्गत डा० भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को अपमानित कर वीडियो वायरल करने के सम्बन्ध में पंजीकृत अभियोग में वांछित ०२ अभियुक्त थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा गिरफ्तार

विवरण गिरफ्तारीथाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा थाना पूरामुफ्ती में पंजीकृत मु0अ0स0 50ध्23 धारा 153एध्295ध्427 भा0द0सं0 व 66 प्ज् एक्ट में वांछित अभियुक्तगण 1. इमरान पुत्र रशीद नि0 पूरापजावा बमरौली थाना पूरामुफ्ती कमि0 प्रयागराज 2. विकाश कुशवाहा उर्फ नारंगी पुत्र अशोक कुशवाहा नि0 बमरौली थाना पूरामुफ्ती कमि0 प्रयागराज को आज दिनांक 17.03.2023 को मुखबिर की सूचना पर थाना पूरामुफ्ती क्षेत्रान्तर्गत भगवतपुर मोड़ ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।घटना का संक्षिप्त विवरण:—दिनांक 16. 03.2023 को थाना पूरामुफ्ती क्षेत्रान्तर्गत अम्बेडकर पार्क बाकराबाद बमरौली में स्थापित डा0 बीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा अपमानित व दलितों के धार्मिक भावना को आहत करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के सम्बन्ध में थाना पूरामुफ्ती में मु0अ0स0 50ध्23 धारा 153एध्295ध्427 भा0द0सं0 व 66 प्ज् एक्ट बनाम इमरान, करीम, तेरे बिन, नारंगी निवासीगण बमरौली उपरहार पूरामुफ्ती, प्रयागराज व अन्य अज्ञात पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:— 1. इमरान पुत्र रशीद नि0 पूरापजावा बमरौली थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र 22 वर्ष 2. विकाश कुशवाहा उर्फ नारंगी पुत्र अशोक कुशवाहा नि0 बमरौली थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र 19 वर्षगिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः—1.उ0नि0 शिवप्रताप सिंह थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.हे0का0 राजकिशोर थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.का0 योगेश कुमार थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

यूनाइटेड फोरम आफ पेंशनर्स एसोसिएशन प्रयागराज की बैठक हुई संपन्न

यूनाइटेड फोरम ऑफ पेंशनर्स एसोसिएशन प्रयागराज की त्रैमासिक बैठक पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति में तपोवन पार्क प्रयागराज में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता शिवचरण सिंह व संचालन श्यामसुंदर सिंह पटेल ने किया बैठक की शुरुआत राष्ट्रगान भारत माता की जय वंदे मातरम से शुरू हुई सर्वप्रथम संस्था के महामंत्री ने पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़ी जिसकी संपुष्टि हुई तत्पश्चात बैठक में 11 विचार बिंदुओं को पढ़कर सभी को जानकारी दी गई जिस पर उपस्थित सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे वह सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुए जिसमें प्रमुख रुप से पुरानी पेंशन बहाल हो ,पूर्व सैनिकों के वन रैंक वन पेंशन की विसंगतियां दूर हो व एमएसपी (मिलिट्री सर्विस पे)अलाउंस सभी रैंक का समान हो, वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराए में छूट हो जैसे पहले थी सहित कुल 30 मांगों का मांग पत्र शासन को भेजा गया जिस पर सरकार विचार कर उसे लागू करें कि हुई मांग

इस अवसर पर संस्था के संरक्षक आर यस वर्मा पूर्व कमिश्नर ने कहा कि संगठन में शक्ति है वही सफलता की कुंजी है सभी पेंशनर एकजुट हो इसके लिए संगठन के पदाधिकारियों में ईमानदारी ,कर्तव्यनिष्ठा ,आय व्यय की पारदर्शिता व सेवा समर्पण का भाव होना चाहिए तभी लोग जुड़ेंगे व एकता कायम हो सकती है

तत्पश्चात संस्था के कोषाध्यक्ष संत पाल स्वरूप ने वर्ष 2022 का आय व्यय विवरण सभी कागजात व कैशबुक के साथ प्रस्तुत किया तथा कहा कि इसी तरह वर्ष 2020, वर्ष 2021 का आय व्यय विवरण सुशील कुमार को प्रस्तुत कर पारदर्शिता कायम करनी चाहिए बैठक में अनुपस्थिति होने के कारण यह नहीं हो सका ,इसी तरह लियाकत अली वर्ष 2022 की अपनी रसीद बुक व धनराशि ध्6000 अभी तक जमा नहीं किया बैठक में आज उनके अनुपस्थित होने के कारण जमा नहीं हुई जिसे उन्हें शीघ्र जमा कराना चाहिए कहा जिस पर लोगों ने करतल ध्वनि से प्रसन्नता व्यक्त किया

इस अवसर पर अध्यक्षता कर रहे शिवचरण सिंह ने कहा कि यह बैठक संवैधानिक है आप सभी की कर्मठता ,ईमानदारी तथा सेवा समर्पण के भाव से जो समाज सेवा व पेंशनर सेवा आप लोगों द्वारा किया जा रहा है वह काबिले तारीफ है संगठन की मजबूती के लिए सभी विभागों के पेंशनर्स को सदस्यता अभियान चलाकर जोड़ा जाए और हम सब एकजुट हो तभी हमारी मांगों पर सरकार ध्यान देगी जिस पर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त किया

इस अवसर पर भाग लेने वाले प्रमुख लोगों में आर एस वर्मा ,शिव चरण सिंह ,श्याम सुंदर सिंह पटेल ,अशोक कुमार तिवारी ,विजयलक्ष्मी विभा पूर्व प्रधानाचार्य व कवित्री, संतपाल स्वरूप, सरजीत सिंह, राज कुमार त्रिपाठी,हिंछ्छ लाल सिंह सिंगरौर, रामकृपाल मौर्या ,वीके श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह आदि कई लोग शामिल रहे अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन श्याम सुंदर सिंह पटेल ने किया व जलपान नाश्ता के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई

18 हस्तियों को मिलेगा प्रयाग गौरव सम्मान दुकानजी

प्रयागराज 17ध्03ध्2023 प्रयाग गौरव सम्मान एवं सांस्कृतिक आयोजन जन सेवा समिति ,फिल्म आर्टिस्ट एंड लोक कला विकास परिषद ,,उत्तर प्रदेश सिनेमा टेलीविजन संबंधित कामगार यूनियन के संयुक्त तत्वाधान में 25 मार्च 2023 को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार विज्ञान परिषद प्रयागराज में आयोजित प्रयाग महोत्सव में शिक्षा, प्रशासन समाजसेवा, रेल प्रशासन ,चिकित्सा ,अभियंत्रण , पत्रकारिता , साहित्य , खेल एवं संगीत के क्षेत्र से जुड़े 18 हस्तियों को मिलेगा प्रयाग गौरव सम्मान " गौरव सम्मान आयोजन एवं जन सेवा समिति के अध्यक्ष , नाजिम अंसारी ने बताया कि डॉक्टर गोविंद कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में गठित 5 सदस्य समिति द्वारा ऐसे व्यक्तियों का चयन किया गया है जिन्होंने देश और प्रदेश में अपने कार्यो से प्रयाग का नाम रोशन किया है जो निम्नलिखित हैं शिक्षा से प्रोफेसर कृष्णा गुप्ता र7 पतंजलि ग्रुप ऑफ एजुकेशन ,प्रोफेसर शबनम अमित विभागाध्यक्ष उर्दू इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय डॉक्टर नीता साहू एसोसिएट प्रोफेसर एसएस खन्ना डिग्री गर्ल्स कॉलेज समाज सेवा से श्री नारायण यादव श्री विजय कुमार गुप्ता ,प्रशासनिक सेवा से श्री जुगल किशोर आईपीएस श्री अशोक कुमार वर्मा (चचे) रेल प्रशासन से श्री संजय सिंह नेगी मुख्य अभियंता केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन भारत प्रयागराज ,चिकित्सा सेवा से डॉक्टर भावना सिंह विभागाध्यक्ष दंत विज्ञान विभाग मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज अभियंत्रण से इंजीनियर विनोद गंगावार ,साहित्य से कवि लेखक डॉ शैलेश गौतम एसोसिएट प्रोफेसर इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय श्री अभिषेक वर्मा कवि लेखक ,डॉ केडी सिंह लेखक संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद विधि न्याय से श्री संतोष कुमार त्रिपाठी पत्रकारिता से श्री शिवेंद्र कुमार सिंह खेल संपादक ज्ट9 डिजिटल संगीत से आशुतोष श्रीवास्तव भजन गायक व्यापार से श्री अशोक कुमार पाठक प्रबंध निदेशक नेशनल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ब्रिज एवं रेलवे पुल निर्माण कंपनी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन रेलवे इन्फ्राट्रक्चर प्रोवाइडर एसोसिएशन भारत, खेल से विवेक श्रीवास्तव ,नेशनल ट्रेनर ,ताइकांडो का चयन हुआ है प्रमोद शुक्ला के अनुसार प्रयाग महोत्सव में कला संगीत से जुड़े कलाकारों के हुनर का प्रदर्शन होगा और उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा इसके अलावा अच्छा कार्य करने वाले 08 व्यक्तियों को बेस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया जाएगा डॉक्टर शैलेंद्र श्रीवास्तव प्रभारी सोशल मीडिया , अपराजिता सेन प्रभारी स्वागत समिति मयंक शुक्ला,प्रभारी प्रबंध समिति जतिन कुमार प्रभारी सांस्कृतिक कार्यक्रम, नीरज सोनी प्रभारी प्रचार—प्रसार शहर या पत्रिका के संपादक रजनीश मिश्रा , वरुण कुमार उप संयोजक ,आनंद कुमार यादव अरविंद यादव राहुल कुमार वर्मा (किशन) प्रयाग महोत्सव को सफल बनाने के प्रयास में लगे हुए हैं उक्त सूचना प्रयाग महोत्सव के मीडिया प्रभारी दुकान जी ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दिया

पुलिस के मान मन्नौवल और आश्वासन के बाद परिजन व ग्रामिण माने

नारीबारी (प्रयागराज)। थाना शंकरगढ के नारीबारी क्षेत्र में कार दुर्घटना में घायल व्यक्ति का इलाज के दौरान मौत होने पर आक्रोशित परिजनो ने मुआबजे को लेकर सैकड़ो की सख्यां मे राष्ट्रीय राजमार्ग ३० पर चक्का जाम कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियो के समझाने पर चक्का जाम समाप्त कर पुलिस ने पंचनामा भरकर विधिक कार्यवाही करते हुए शव को पोष्टमार्टम हेतू भेजा।थाना शंकरगढ़ पुलिस चौकी नारीबारी क्षेत्र के सलैया खुर्द गांव में गुरूवार को सुबह ७ बजे के लगभग कार की टक्कर बाईक में लगने से बाइक चालक रामबाबू मॉंझी पुत्र हरिलाल उम्र ३० वर्ष कि इलाज के दौरान १० बजे सुबह मौत हो गई। पिता हरीलाल माझीं ने शंकरगढ़ पुलिस को गाडी नम्बर के साथ आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई जब तक करती तब तक ग्रामीणों ने पुलिस पर कार चालक को बचाने का आरोप लगाते हुए मुआबजे की मागं कर राष्ट्रीय राजमार्ग ३० नारीबारी चौराहो पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर जाम कर दिया। परिजनो ग्रामिणो ने कार चालक व कार को तत्काल पकडने की चेतावनी देते हुए चौराहे पर सैकडों की सख्या मे एकत्रित होकर राजमार्ग बन्द कर दिया। मृतक रामबाबू की पत्नी आरती देवी व उनकी तीन बेटियो सहित परिजनो का रो—रोकर बुरा हाल रहा। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह, एसीपी बारा संतलाल सरोज के द्वारा परिजनों को समझाया गया। कुछ समय चक्का जाम के बाद परिजन चौकी पर कार्यवाही को लेकर बैठे रहे। घटना के संदर्भ में एसीपी बारा संतलाल सरोज ने बताया कि पीड़ितों की तहरीर पर शंकरगढ़ थाने में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। और जल्द ही कार व चालक को पकड़ विधिक कार्यवाही की जाएगी। एसीपी बारा के काफी मान—मनौअल व मुआबजे के आश्वासन पर परिजनों के द्वारा चक्का जाम समाप्त कर दिया गया। इसके बाद पुलिस के द्वारा लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के लिए विधिक कार्रवाई की जाने लगी। कई थानो की पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद रहकर यातायात को बहाल कराया।चर्चा रही की दुर्घटना करने वाले के रिश्तेदार के द्वारा अपशब्द बोले जाने से ग्रामीणो मे आक्रोश बढ़ा और लोग राष्ट्रीय राजमार्ग मे शव रखकर चक्का जाम कर दिया।कुछ लोगो ने नारीबारी पुलिस पर कार चालक के प्रति कार्यवाही ना करने से आक्रोसित होने का कारण बताया।

ऑपरेशन ग्रीन योजना से आलू ट्रांसपोर्टेशन में मिलेगी छूट ऋ संयुक्त निदेशक

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ0प्र0, लखनऊ से आये हुए संयुक्त निदेशक डा बी0पी0 राम, कृष्ण मोहन चौधरी, उप निदेशक उद्यान, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, सुरेन्द्र राम भाष्कर, जिला उद्यान अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से जनपद प्रयागराज के शीतगृह अभिषेक कोल्ड स्टोर गद्दोपुर, भोला इण्ड्रीज गद्दोपुर, कृष्णा शीतालय गद्दोपुर, हिमालय कोल्ड स्टोरगद्दोपुर, आदर्श कोल्ड स्टोर, गद्दोपुर, फाफामऊ तथा होलागढ़ में मां शारदा शीतालय, होलागढ़, आर0वी0 एस0 शीतालय, होलागढ़, मां विन्ध्यावासिनी कोल्ड स्टोर, केशरवानी शीतालय, सोराव, सोरांव कोल्ड स्टोर, सोराव, लहटी कोल्ड स्टोर, माधवनगर, बहरिया, फरूखाबाद कोल्ड स्टोर, तेलियरगंज, द्वावा शीतगृह बमरौली प्रयागराज आदि शीतगृहों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सभी शीतगृह स्वामियों को निर्देशित किया गया कि आलू किसान अधिकार पत्र, भण्डारण की सूचना जिसमें शीतगृह की क्षमता व रिक्त स्थान तथा भण्डारण किराया दर प्रति कुन्तल को डैशबोर्ड में कोल्ड स्टोर पर लगा हुआ पाया गया तथा उपस्थित किसानभण्डारणकर्ताओं को बताया गया कि अपना समस्त आलू कोल्ड स्टोर में तुरन्त रखवायें। जनपद के शीतगृहों में 40—50 प्रतिशत तक आलू भण्डारण के लिए जगह खाली है। इसमें समस्त किसान भाई अपना आलू भण्डारण कर सकते है एवं उपस्थित किसानों को आपरेशन ग्रीन योजना के अन्तर्गत भण्डारण शुल्क का अनुदान प्राप्त करने हेतु अधिक से अधिक मात्रा में शीतगृह में आलू का भण्डारण करें तथा भारत सरकार द्वारा संचालित आपरेशन ग्रीन योजना का लाभ उठायें। इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसान भाईयों से अनुरोध है कि जिस खेत बोये हुए खेत में जहां से खुदाई होकर आलू की लोडिंग हो रही है। उसका जी0पी0एस0 कैमरें से फोटोग्राफ लेकर एवं रास्ते में किसी काटे पर आलू की तौल कराकर रसीद प्राप्त कर लें या कोल्ड स्टोरेज के काटे पर कुछ बोरियो का तौल कराते हुए उसका फोटोग्राफ ले लें। आलू भण्डारण करें एवं शीतगृह मालिक से भण्डारण शुल्क, भण्डारण की रसीद कुन्तल में प्राप्त करें एवं शीतगृह मालिक को भण्डारण शुल्क अपने बैंक खाते से पेमेन्ट करें। यह सभी अभिलेख एकत्र कर आन लाइन पोर्टल ीजजचेरू ध्ध्उचंकं—उवचिप.हवअ.पदध्वहपदध्च• पर आवदेन करें। इसका लाभ व्यक्तिगत किसान एवं एफ0पी0ओ0ध् एफ0पी0सी0ध्लाइसेंस सुदा कमिशन एजेन्ट एवं फुटकर व्यापारी प्राप्त कर सकते है। किसान भाई अपनी खतौनी आदि अभिलेख अपलोड करेगें।

थाना उतरांव पुलिस द्वारा बलात्कार के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना उतरांव पुलिस द्वारा थाना उतरांव में पंजीकृत मु0अ0सं0 39ध्23 धारा 376 भा0द0सं0 व 3ध्4 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त रंजीत कुमार पुत्र रामनरेश पासी निवासी निमी डिहवा थाना उतरांव जनपद प्रयाग राज को आज दिनांक 17.03.2023 को मुखबिर की सूचना पर थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत महरूपुर हाईवे पुलिया के नीचे से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त—रंजीत कुमार पुत्र रामनरेश पासी निवासी निमी डिहवा थाना उतरांव जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 20 वर्ष अभियोग का विवरणः मु0अ0सं0 39ध्23 धारा 376 भा0द0वि0 व 3ध्4 पॉक्सो एक्ट थाना उतरांव, कमिश्नरेट प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम—1. थानाध्यक्ष श्रवण कुमार थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज2. का0 अनीश कुमार थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 3. का0 प्रकाश सिंह थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज4. म0का0 साहिमा बानो थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज

शक्ति केंद्रों में राष्ट्रपति जी का भाषण संगोष्ठी और होली मिलन संपन्न हुआ

17 मार्च प्रयागराज, भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में ऑनलाइन शिविर के माध्यम से एवं बूथों पर कार्यकर्ताओं के माध्यम से आम लोगों को नए मतदाता फार्म भरवा कर नगर निकाय प्रयागराज के चुनाव हेतु नए मतदाता बनाने का कार्य किया गया मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि ऑनलाइन शिविर के माध्यम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क, मुट्ठी गंज , प्रीतम नगर, खुल्दाबाद, राजरूपपुर , चौक ,मीरापुर, नैनी, दारागंज, सिविल लाइन, शिवकुटी, विश्वविद्यालय मंडल कार्यालय में ऑनलाइन शिविर लगाया गया जिसमें लगभग अब तक 3540 नए मतदाता बनाने को लेकर रजिस्ट्रेशन किए गए एवं 1142 विलोपन का फार्म भरे गए और शहर उत्तरी विधानसभा के 28 केंद्रों पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जी का भाषण संगोष्ठी एवं होली मिलन का कार्यक्रम संपन्न किया गया इस अवसर पर अनिल भट्ट संदीप गोस्वामी, स्वारिका भारद्वाज, सोनी भट्ट,राजेश केसरवानी, पार्षद किरन जायसवाल गौरव गुप्ता, अपूर्व चंद्रा, अजय अग्रहरि, पिंकी जायसवाल, रजनीकांत श्रीवास्तव, दिनेश विश्वकर्मा शिखा खन्ना ,सुनीता चोपड़ा, मनोज मिश्रा ,मीनू पांडे, गया प्रसाद निषाद ,मुकेश लारा, ज्ञानेंद्र मिश्रा ,संजय कुशवाहा ,कौशिकी सिंह, विनोद वर्मा, आशीष वर्मा, अजय सिंह, विजय श्रीवास्तव, प्रिया कैथवास, आदि मंडलों के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

सामने आई माफिया अतीक अहमद के परिवार की गन कुंडली,पत्नी शाइस्ता के पास 3 बंदूकें, पूरे परिवार में 7 असलहे

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह अधिवक्ता उमेश पाल उर्फ कृष्ण कुमार हत्याकांड में पुलिस जांच करते हुए तेजी से आगे बढ़ रही है।हत्याकांड में अब पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन के असलहों की भी जांच शुरू हो गई है।अतीक और उसके परिवार के पास कुल सात लाइसेंसी असलहे थे।इनमें से तीन लाइसेंस अतीक के नाम और एक अतीक के भाई अशरफ के नाम था।अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के पास तीन लाइसेंसी असलहे थे।जानें शाइस्ता के हथियारों का ब्योरामाफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन के पास एक रिवाल्वर, एक रायफल और एक ठरु गन थी। शाइस्ता की रिवाल्वर नंबर 7459, सीरीज नंबर 5961 थी। रायफल नंबर 348373, सीरीज नंबर 5962 और ठरु गन नंबर 5832025, सीरीज नंबर 5963 थी।विधायक राजू पाल हत्याकांड के बाद निरस्त हुए लाइसेंस मिली जानकारी के अनुसार बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के बाद ये सभी लाइसेंस निरस्त हो गए।अतीक और अशरफ के लाइसेंसी असलहे सरकारी मालखाने में जमा हो हुए, लेकिन शाइस्ता परवीन ने हाईकोर्ट के आदेश पर अपने असलहे प्रयागराज के गन हाउस में जमा कर दिए। अब उमेश पाल हत्याकांड के बाद शाइस्ता के इन हथियारों की फिर जांच पड़ताल शुरू हुई है। गिराया गया गन हाउस के मालिक का मकान इस मामले की जांच पड़ताल के लिए जांच टीम कल सफदर अली के गन हाउस पहुंची।सफदर अतीक का करीबी बताया जाता है। जांच टीम ने गन हाऊस से शाइस्ता के जमा असलहों की जानकारी ली और साथ ही गन हाउस के रिकार्ड भी खंगाले। गन हाउस से कितने असलहे और कितने कारतूस बेचे गए। गन हाउस मालिक सफदर अली का अभी मकान भी गिराया गया है। इससे पहले 2019 में प्रयागराज के जिलाधिकारी ने गन हाउस के मालिक सफदर अली को शाइस्ता परवीन के असलहे सरकारी मालखाने में जमा करने के आदेश दिए थे,लेकिन सफदर ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शाइस्ता के हथियार जमा नहीं किये थे।

उमेश पाल अपहरण मामलारुकेस में सुनवाई हुई पूरी, माफिया अतीक अहमद और भाई अशरफ को सजा मिलना तय

प्रयागराज। पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद और उसके भाई पूर्व विधायक अशरफ को सजा मिलने की उल्टी गिनती अब शुरू हो चुकी है।उमेश पाल अपहरण मामले में प्रयागराज की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई पूरी हुई।सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला रिजर्व रखा है। स्पेशल कोर्ट इस मामले में 28 मार्च को अपना फैसला सुनाएगी।उमेश पाल अपहरण मामले में माफिया अतीक अहमद और अशरफ को सजा मिलना लगभग तय माना जा रहा है। उमेश पाल का साल 2006 में हुआ था अपहरण शुक्रवार को सुनवाई में अभियोजन की ओर से बचाव पक्ष की बहस का जवाब दाखिल किया गया।बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह अधिवक्ता उमेश पाल उर्फ कृष्ण कुमार का साल 2006 में अपहरण हुआ था। अपहरण केस में गवाही न देने के लिए उमेश पाल से जबरन हलफनामा ले लिया गया था। उमेश पाल ने साल 2007 में अपने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के खिलाफ ये केस दर्ज कराया था।आरोप हैं कि अतीक अहमद के इशारे पर उसके गुर्गों ने उमेश का अपहरण किया था।उमेश पाल की हत्या से पहले हो चुकी थी गवाही बता दें कि अपहरण के मुकदमे की पैरवी से लौटते समय 24 फरवरी को उमेश पाल की उनके घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां और बम बरसाकर हत्या कर दी गई थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 16 मार्च तक केस की सुनवाई पूरी करने का निर्देश दिया था।पिछले दिनों कई रोज तक वकीलों की हड़ताल की वजह से आज शुक्रवार को सुनवाई पूरी हो सकी है।हत्या से पहले इस केस में उमेश पाल की गवाही हो चुकी थी। इसी आधार पर माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को इस केस में सजा मिलना लगभग तय माना जा रहा है।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

भारत बनाम छुआछूत

समाज की यह वर्ण–व्यवस्था आरम्भ में ठीक चली। कालान्तर में प्रथम तीन वर्ग सवर्ण और चतुर्थ वर्ग असवर्ण कहलाने लगा। इनमें भी जो लोग (विशेषकर) सफाई और चमड़े का काम करने लगे, उन्हें अस्पृश्य (अछूत) माना जाने लगा और इनका स्पर्श भी वर्जित कर दिया गया। यहाँ तक कि इनकी छाया तक अपने उपर पड़ना पाप माना जाने लगा।

अस्पृश्यों की स्थिति

भारत में अस्पृश्यता की यह समस्या अति विकट है। कुछ कट्टर लोग शूद्रों को अपने से नीच समझते हैं, तो कुछ तथाकथित अछूत हितैषी उनकी माँगे गिनवा कर उनको सवर्णों से बिल्कुल अलग खड़ा कर देते हैं। आज इन अछूत या हरिजन कहलाने वाले लोगों की संख्या सात करोड़ से अधिक है। राष्ट्र और समाज के विकास के क्षणों में इतने बड़े वर्ग की उपेक्षा नहीं की जा सकती। भारत में इस्लाम और ईसाइयत के अत्यधिक प्रचार का कारण भी इस वर्ग की घोर उपेक्षा ही रही है।

इस्लाम के विश्व बन्धुत्व रूप के कारण ही शताब्दियों पहले हमारी उपेक्षा के कारण इसी वर्ग के अधिकांश लोग मुसलमान बने। जिनका दुष्परिणाम हमें देश–विभाजन के रूप में देखना पड़ा। इस वर्ग की निर्धनता, अशिक्षा और विवशता का लाभ उठाकर समाज के उच्च वर्ग के लोग इनसे मनमानी किया करते हैं। दिन भर परिश्रम करके भी इनको इतना धन नहीं मिलता कि वे अपने बाल–बच्चों तक का पोषण कर सकें। इन्हें समानता का अधिकार भी नहीं है।

उच्च वर्ग वाले एक कुत्ते के छू जाने पर इतने नहीं घबराते, जितना इनकी परछाई मात्र से दूर भागते हैं। इनको कुओं पर ऊँची जाति वालों के साथ पानी भरने का अधिकार नहीं था और इनका मन्दिर प्रवेश भी निषिद्ध है। आज भी विवाह के अवसर पर उन्हें घोड़ी या डोली–पालकी में नहीं बैठने दिया जाता। निर्वाचन में मतदान नहीं करने दिया जाता। उनकी बहू–बेटियों से भोग्या का–सा व्यवहार किया जाता है। गाँवों में उनके घरों को ही नहीं बल्कि उन्हें भी जीवित जलाया जा रहा है, कहीं उन्हें गोली का निशाना बनाया जाता है, जो मानवीय दृष्टि से अत्यन्त नीच और पाप कर्म है।

अछूतोद्धार के प्रयत्न

अस्पृश्यों के प्रति उच्च वर्ग वालों के इन अत्याचारों को रोकने के प्रयत्न सदा से होते चले आ रहे हैं। भगवान् कृष्ण ने गीता में "शुनि चौव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः" कहकर बताया कि चाहे चांडाल हो या ब्राह्मण सबमें एक ही भगवान् का अंश व्याप्त है। इसी विचार का प्रचार महात्मा कबीर, रामनुज, गुरुनानक आदि सन्तों ने भी किया है। कबीर तो छूआछूत के इतने विरोधी थे कि स्वयं अछूत होने पर गर्व का अनुभव करते थे और कहते थे कि हरि के दरबार में जाति–पाँति का कोई मूल्य नहीं होता

'जाति–पाँति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।' इस शताब्दी के आरम्भ में ब्राह्म समाज तथा आर्य समाज आदि संस्थाओं ने इस समस्या को सुलझाने का और हरिजनों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयत्न किया है। महात्मा गाँधी ने तो इस ओर बड़ा सक्रिय पग उठाया था। उन्होंने अस्पृश्य कहे जाने वालों को 'हरिजन' का नाम दिया और उनके उत्थान के लिए सन् 1932 में 'हरिजन सेवक–संघ' की स्थापना की।

दक्षिण में हरिजनों की दशा अत्यन्त शोचनीय होने के कारण उन्होंने सर्वप्रथम दक्षिण को ही हरिजन–संघ का केन्द्र बनाया। उन्हीं के प्रयत्न से पहले पहल ट्रावनकोर रियासत ने हरिजनों को सार्वजनिक तालाबों, कुओं और सार्वजनिक स्थानों को प्रयोग में लाने की आज्ञा दी। गाँधी जी की प्रेरणा से ही अछूतों के लिए अनेक मन्दिरों के द्वार खुल गए। उनके बाद तो जन–जागृति आरम्भ हो गई और इस स्थिति को बदलने के लिए तीव्र प्रयास आरम्भ हो गए।

सरकार का प्रयास

तदनन्तर सरकार ने भी छूआछूत को दण्डनीय अपराध स्वीकार किया और विधान सभाओं, संसद तथा नौकरियों में उनके लिए स्थान सुरक्षित किए। आज विद्यालयों और महाविद्यालयों में हरिजन छात्रों को निःशुल्क शिक्षण दिया जा रहा है। प्रतियोगिताओं परीक्षाओं में भी कुछ छूट व सुविधाएं दी जा रही हैं। पर, अभी बहुत कार्य करना शेष है। सरकार के अतिरिक्त कुछ स्वयंसेवी संस्थाएं भी इस कलंक को मिटाने और अछूतों को समाज में गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं। 'सेवाभारती' इसी दिशा में प्रयत्नशील है।

अछूतों की समस्या हमारे लिए एक अभिशाप है। अब यह समस्या हमारे राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन के लिए भी चुनौती बन गई है। क्योंकि दक्षिण के मीनाक्षी पुरम् और रामनाथ पुरम् को केन्द्र बनाकर मुसलमान उनके धर्मान्तरण करने और ईसाई बनाने पर तुले हुए थे। यदि हमने उन्हें प्रेम से गले न लगाया, उन्हें उनके अधिकार न दिए तो वे भारत के राष्ट्रीय जीवन के लिए भी संकट का कारण बन जायेंगे।

इसका कारण यह है कि इस्लाम या ईसाई मत को स्वीकार कर लेने के बाद उनकी निष्ठा अपने राष्ट्र के प्रति समाप्त हो जाती है। वे ईस्लाम के सामने या ईसाइयत के सामने अन्य भावों को तिलांजलि दे देते हैं। जो भारत की एकता के लिए खतरा है। अतः हमारा कर्तव्य है कि अपने हृदय में मानवीय भावना लाकर और अस्पृश्य कहे जाने वाले लाखों बन्धुओं भी ईश्वरीय ज्योति के दर्शन कर इस बुराई से छुटकारा पायें। इसके लिए अथक परिश्रम करना प्रत्येक हिन्दू का पुनीत कर्त्तव्य है। आज हिन्दू ही हिंदू का शोषण और अत्याचार करके दबे कुचले लोगों का शारीरिक मानसिक आर्थिक रूप से शोषण जारी है। जो इंसान और इंसानियत के उपर एक काला धब्बा है।

पुरूष आयोग का गठन

आज समाज में यदि देखा जाए तो कहीं न कही पुरुषो के साथ हमारी सरकार एवं हमारे संविधान में पुरुष वर्ग के साथ भी भेदभाव किया जाता है जिसके लिए पुरुष आयोग का भी गठन अति आवश्यक है जिससे भारतीय पुरुष समाज की समस्याओं, शिकायतों और उनके बेहतर विकास के लिए हरसम्भव प्रयास कर सके।हमारा मानना है कि इस देश में सबसे अधिक यदि कोई मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित होता है तो वह पुरुष समाज ही है। इसका सबसे ताजातरीन उदाहरण है सोशल मीडिया पर सबसे अधिक ट्रेंड करने वाला हैशटैग मी टू. जिसमें देश–विदेश की हजारों–लाखों महिलाओं ने अपने–अपने क्षेत्र के सूरमाओं पर सेक्सुअल हैरसमेंट के आरोप लगाए। एक महिला अपने कैरियर को बुलंदियों पर ले जाने या नौकरी में प्रमोशन पाने अथवा राजनीतिक फिल्म इत्यादि में बड़ा ब्रेक पाने के लिए किसी पुरुष को अपना "शिकार" बनाती है, उसको जरिया बनाती है और अपना उल्लू सीधा होने अथवा न होने पर वह उसी पुरुष को आरोपी बना देती है। उसपर सेक्सुअल हैरसमेंट का घिनौना आरोप लगाकर उसको समाज में बदनाम करके खुद को "बेचारी" और "पीड़िता" बताने का ढोंग रचती है। इसमें महिला आयोग और उस जैसी अन्य अनेक संस्थाएं उस महिला की खूब मदद करती हैं। और तो और आम जनता से लेकर संसद तक और माननीय न्यायपालिका में भी महिला का पक्ष पूरी सहानुभुति के साथ सुना जाता है। जबकि पुरुष बेचारा अपने परिवारजनों के साथ–साथ पूरे समाज की न केवल लानत–मनालत झेलता है बल्कि अपने "पुरुष समाज" से भी उसे कोई सहयोग नहीं मिलता। उसे बहुत घृणित दृष्टि से देखा जाता है और इसके लिए समय–समय पर उसे अपमानित भी होना पड़ता है।यह तमाम उन निर्दोष और निरपराध पुरुषों की कहानी है जिनपर बलात्कार के झूठे और मनघढ़ंत आरोप लगाकर उनका मानसिक और आर्थिक शोषण किया जाता है।क्या उन महिलाओं को कभी कोई सजा मिल पाती है जो इस प्रकार के घिनौने षड्यंत्र में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं? यह बेहद पेचीदा किंतु स्वभाविक प्रश्न है, और जिसका उत्तर शायद ही किसी के पास है। क्या कोई महिला किसी पुरुष का सेक्सुअल हेरेसमेन्ट नहीं कर सकती? क्या महिलाओं को ढाल बनाकर अपराध नहीं किये जाते?अभी हाल ही में अपने प्यार की खातिर परिवार के ही सात सदस्यों को मौत के घाट उतारने की गुनहगार अमरोहा की शबनम की फांसी की सजा के मामले में, शबनम की फांसी की सजा को मानवीय आधार पर उम्रकैद में बदले जाने की मांग को लेकर दाखिल इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला वकील सहर नकवी की अर्जी में शबनम की फांसी को उम्रकैद में बदले जाने की मांग को लेकर जो दलीलें दी गईं हैं, उनमे सबसे प्रमुख यह है कि "आजाद भारत में आज तक किसी भी महिला को फांसी नहीं हुई है. सहर नकवी ने गवर्नर को भेजी गई अर्जी में लिखा है कि अगर शबनम को सूली पर लटकाया जाता है तो समूची दुनिया में भारत और यहाँ की महिलाओं की छवि खराब होगी, क्योंकि देश की महिलाओं को देवी की तरह पूजने व सम्मान देने की पुरानी परंपरा है। विद्वान वकील साहिबा की इस खोखली और बेबुनियाद दलीलों का एकमात्र मकसद एक ऐसी महिला को बचाना है जिसने 14 अप्रैल 2008 को अपने ही परिवार के 6 लोगों की सोते समय कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर हत्या करवा दी थी, और अपने 11 महीने के मासूम भतीजे का गला अपने हाथों से दबाकर मार डाला था। मरने वालों का कसूर मात्र इतना था कि वह शबनम और उसके आशिक सलीम के प्यार में रोड़ा बन गए थे। यहां गौरतलब है कि शबनम इंग्लिश और भूगोल विषय से पोस्ट ग्रेजुएट थी ऐसी क्रूर और नृशंस हत्यारिन को क्या देवी मानकर पूजा जाना चाहिए, यदि हाँ, तो फिर ईशरत जहां का क्या कसूर था? श्रीराम ने सुपर्णखा के नाक–कान क्यों कटवा दिए थे? उसकी पूजा क्यों नहीं की थी? पूजा माता सीता की होती है, पूजा उस नारी की होती है जो त्याग, ममता और करुणा की प्रतिमूर्ति होती है।क्या किसी नृशंस हत्यारिन को फांसी पर चढ़ा देने से भारत की छवि खराब हो सकती है? इसे कुतर्क ही कहा जा सकता है।बहरहाल, सरकार को इस सब पर बेहद गम्भीरता से विचार करना होगा, साथ–साथ पुरुष आयोग का भी गठन निहायत आवश्यक है ताकि निर्दोष और निरपराध पुरुषों को न्याय मिल सके। पं० आशीष मिश्र उर्वर कादीपुर, सुल्तानपुर (उ.प्र) मो. 9043669462।

प्रकृति की अनोखी,अद्भुत टॉर्च-जुगनू

प्रकृति की अद्भुत और अनमोल देन है–ंजुगनू। हम सभी ने बचपन में कभी न कभी अपने गांव–देहात में, खेतों मेंपेड़–पौधों के झुरमुट, घास के आसपास जुगनुओं को जगमगाते हुए जरूर देखा है। हम जुगनुओं के साथ खेलें हैं, उनकी जगमगाहट ने हमें हमेशा आनंदित, उल्लासित किया है।अपने शरीर से दीप्ति या प्रकाश उत्पन्न करने वाला प्रकृति का यह अद्भुत कीट बच्चों, बूढ़ों, महिलाओं, जवानों सभी को अपनी तरफ जरूर आकर्षित करता है।वैसे,जुगनू शहर में भी दिखते हैं लेकिन इन्हें ज्यादातर गांव में ही देखा जाता है। ये अधिकतर रात के समय में ही चमकते हैं। हालांकि ये दिन में भी चमकते रहते हैं लेकिन हम उन्हें दिन के समय में देख नहीं पाते हैं। दरअसल, चमकने के हिसाब से नर और मादा दोनों जुगनू रात्रि के समय चमकते हैं, लेकिन नर जुगनू उड़ते हुए चमकता है। नर ऐसा इसलिए करता है ताकि वो मादा जुगनूओं को अपनी तरफ आकर्षित कर सके। आपको यह जानकर अत्यंत ही हैरानी होगी कि जुगनूओं के अंडे तक भी चमकते हैं।दिखने में यह एकदम पतले और दो पंख वाले होते हैं। ये जंगलों में पेड़ों की छाल में अपने अंडे देते हैं। इनके द्वारा उत्पन्न लाल,पीला, हरा प्रकाश हमारी आंखों में जब चमकता है तो हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि प्रकृति का वास्तव में कोई भी जवाब नहीं है, वह अनोखी, अद्भुत, अकल्पनीय है और रहस्यों से भरी हुई है। वैसे, जुगनुओं द्वारा प्रकाश रासायनिक क्रिया द्वारा उत्पन्न किया जाता है। इसमें अवरक्त और पराबैंगनी आवृत्तियाँ नहीं होतीं हैं। इनका शरीर बहुत ही नरम, मुलायम होता है और इन्हें शबिजली के या चमक के कीड़े भी कहा जाता है। इन्हें श्प्रकृति की टॉर्च भी कहा जा सकता है। जुगनू तो इनका नाम है ही। वैसे,नर और मादा जुगनू की शारीरिक बनावट में एक खास अंतर होता है। नर जुगनू जहां उड़ते हुए चमक सकता है, वहीं मादा जुगनूओं के पास पंख नहीं होते हैं। इसलिए वो एक ही जगह पर चमकती रहती है। वैसे तो भारत में देहाती क्षेत्रों में भी काफी संख्या में जुगनू पाए जाते हैं, लेकिन अधिक रोशनी से चमकने वाले जुगनू अधिकतर वेस्टइंडीज और दक्षिणी अमेरिका में ही पाए जाते हैं। जानकारी देना उचित होगा कि इस कीड़े की खोज 1667 में रॉबर्ट बायल नाम के एक वैज्ञानिक ने की थी। जुगनुओं के बारे में लोगों में यह गलत धारणा है कि ये फॉस्फोरस के कारण चमकते हैं।जुगनू फास्फोरस की वजह से नहीं बल्कि ल्युसिफेरेस नामक के प्रोटीनों के कारण चमकते हैं। जुगनू इस अपने द्वारा की गई रोशनी में अपने लिए खाना भी खोजते हैं और चमक पैदा कर अपने साथी को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। जैसे ही हमारे मन–मस्तिष्क में जुगनू का नाम आता है तो हमारे हृदयश में श्चमकश या श्दीप्तिश कौंधने लगती है। अमूमन, जुगनू समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय जलवायु में पाए जाते हैं। सभी ज्ञात जुगनू लार्वा के रूप में चमकते हैं, केवल कुछ वयस्क ही प्रकाश उत्पन्न करते हैं, और प्रकाश अंग का स्थान प्रजातियों के बीच और एक ही प्रजाति के लिंगों के बीच भिन्न होता है। जुगनुओं ने हमेशा हमेशा से मानवजाति का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है और लैम्पाइरिडे बीटल क्रम कोलोप्टेरा में कीड़ों का एक परिवार है, जिसमें 2,000 से अधिक वर्णित प्रजातियां हैं, जिनमें से कई प्रकाश उत्सर्जक हैं। जुगनू देखने में सुंदर होते हैं और विभिन्न संस्कृतियों में इनके सौंदर्य की सराहना की जाती है, विशेष रूप से जापान जैसे देश में इनके लिए अलग से पार्क तक बनाए गए हैं। हालांकि इस धरती पर जुगनू ही ऐसा प्राणी नहीं है जो चमकता है। बहुत सी मछलियां और केकड़े भी चमक पैदा करने वाले गुण रखते हैं लेकिन कीटों में जुगनू प्रमुख है जो रोशनी पैदा करते हैं। जुगनू पृथ्वी पर डायनासोर के युग से विद्यमान बताये जाते हैं।आज प्रकृति का यह अनमोल तोहफा तेजी से धरती से गायब हो रहा है। आज ग्लोबल वार्मिंग हो रही है, जलवायु परिवर्तन हो रहा है, प्रदूषण बहुत बढ़ गया है। इससे जुगनुओं के अस्तित्व पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। ताज्जुब करने वाली बात यह है कि दुनिया भर में जितने भी कीट पतंगे मौजूद हैं, उनमें जुगनुओं की हिस्सेदारी लगभग 40 फीसदी है। आज शहरों में तो दूर की बात प्रकृति का यह अनमोल तोहफा(जुगनू) गांवों–देहातों में भी विरले ही नजर आता है। बढ़ते औद्योगीकरण, जनसंख्या, कीटनाशकों के अनवरत प्रयोग, प्रदूषण से इस नन्हें से कीट की जान पर आज बन आई है। इनकी प्रजातियों में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। जुगनू किसानों के मित्र जीव हैं। धरती के पारिस्थितिकीय तंत्र में इन नन्हें कीटों का बहुत ज्यादा महत्व है, क्यों कि ये नन्हें कीट फसलों की रक्षा करते हैं। इन नन्हें, कोमल कीटों का अस्तित्व धरती पर बहुत आवश्यक है, क्यों कि इनके अस्तित्व पर कहीं न कहीं मानव अस्तित्व भी टिका हुआ है।

सुनील कुमार महला,
स्वतंत्र लेखक व युवा साहित्यकार
पटियाला, पंजाबई मेल
mahalasunil@yahoo.com

मेरी बेटी मेरा गुरूर

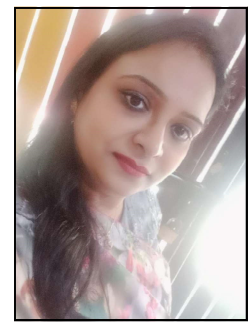

नीलू रोज की तरह कोचिंग क्लास से वापस घर आ रही थी। शैलजा, प्रीति और नीलू बातों में इतनी मग्न थी कि उन्हें पता ही नहीं चला कि दो मोटर साइकिलों पर सवार कुछ लड़के उनका पीछा कर रहे हैं। थोड़ी देर में शैलजा और प्रीति अपने घर की ओर मुड़ गई और नीलू अकेली रह गई। पर यह कोई नई बात नहीं थी। ऐसा तो रोज ही होता था। बस आज फर्क इतना था कि थोड़ी देर पहले ही बारिश रुकने की वजह से सड़कें कुछ खाली खाली थी। लोगों की आवाजाही लगभग बंद ही थी।

अचानक एक सुनसान गली को पार करते समय चार हाथों ने नीलू को झटके से अपनी ओर खींच लिया और एक हाथ नीलू के मुँह पर इस तरह आया कि उसकी आवाज तक ना निकल सकी। नीलू हाथ पाँव मारती रही पर उन मर्दाना जकड़नों से वह छूट न पाई।वह अजनबी हाथ उसे एक सुनसान मकान में खींच ले गए। उस मकान में पहुँचकर उन्होंने नीलू को छोड़ दिया। नीलू ने स्वयं को संयत किया और उस हल्के से अँधेरे में देखने का प्रयास किया।

ष्रमित!आशु! पूरब!निखिल! तुम चारों.....ष् नीलू की चीख निकल गई। यह तो उसके साथ कोचिंग में पढ़ते थे, ष्यह क्या बदतमीजी है! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ऐसी हरकत करने की?ष्नीलू ने जल्दी से बाहर निकलने की कोशिश की।

ष्रूकिए!नीलू मैडम, ऐसे कैसे चली जाएँगी आप? पहले हिसाब चुकता कर दीजिए,फिर चली जाना।ष् कहकर रमित ने नीलू को जोर का धक्का मारा और नीलू नीचे गिर पड़ी। पूरब ने दरवाजा बंद कर दिया और वहाँ अंधेरा छा गया। उसके बाद कुछ देर नीलू की घुटी घुटी चीखें और नीलू नीम बेहोशी में डूबती चली गई।

जब नीलू को होश आया तो दर्द के मारे उसका रोम रोम कराह रहा था। उसने धीरे से आँखें खोली तो सब तरफ अँधेरा ही अँधेरा था और दरवाजा खुला हुआ था। बाहर नीम अँधेरा पसरा हुआ था। बस कहीं कहीं से प्रकाश की एक महीन रेखा दिख रही थी।

नीलू ने खुद को सँभाला और दरवाजे के बाहर देखा तो रात काफी गहरा चुकी थी। ज्यादातर दरवाजे बंद थे।बस स्ट्रीट लाइट जल रही थी । नीलू बेतहाशा घर की तरफ दौड़ पड़ी।ना जाने पापा मम्मी का क्या हाल हो रहा होगा? घर के दरवाजे पर पहुँचकर नीलू ने दरवाजा खटखटाया और वहीं भरभरा कर गिर पड़ी।

दरवाजा खुला। सुभद्रा की चीख निकल गई।

ष् मेरी बच्ची! नीलू के पापा!जल्दी आओ।ष् उन्होंने नीलू को अपने अंक में भर लिया।

प्रदीप जी और छोटा केतन भागे भागे आए।प्रदीप जी ने नीलू को उठाया और कमरे में ले जाकर बिस्तर पर लिटा दिया। न जाने कितने घंटे बाद नीलू को होश आया। होश में आते ही नीलू फूट फूट कर रो पड़ी।

ष्मम्मी......ष्नीलू सुभद्रा से लिपट गयी।

ष्हीं! मेरी बच्ची,कुछ मत बोल।ष् सुभद्रा जी प्यार से नीलू की पीठ सहलाने लगी। नीलू की हालत सब हालात बयां कर रही थी।

ष्नीलू! उठो! हमें बिना देर किए पुलिस स्टेशन चलना है।ष् प्रदीप जी ने कहा।

ष्यह आप क्या कह रहे हैं?क्या बताओगे पुलिस में और लोगों से? हमारी बच्ची के साथ जो हुआ उसका ढिंढोरा पीटोगे। हमारी बच्ची कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रहेगी।ष् सुभद्रा बोली।

ष्मम्मी! मैं गंदी हो गई ।उन्होंने मुझे गंदा कर दिया।ष् कहकर नीलू रोने लगी।

ष्बस! चुप!ष् प्रदीप जी दहाड़े,ष्कोई गंदा नहीं हुआ है और ना ही हमें मुँह छिपाने की जरूरत है। मेरी बच्ची मुँह तो वह छुपाएँगे जिन्होंने यह गलत काम किया है। बस तू इतना बता दे कि कौन थे वो? क्या तू उन्हें पहचानती है?ष

ष्पापा! वो मेरी कोचिंग क्लास में पढ़ने वाले रमित, पूरब,आशु और निखिल, उन चारों ने......ष् नीलू की हिचकी बँध गई।

ष्बस आगे कुछ कहने की जरूरत नहीं, अब देर मत करो।ष् प्रदीप जी बोले।

प्रदीप जी नीलू और सुभद्रा को लेकर पुलिस स्टेशन पहुँचे और उन चारों के खिलाफ प्.ित. लिखवाई। जल्दी ही धरपकड़ शुरू हो गई और उन चारों लड़कों को पुलिस ने धर दबोचा। उन चारों के शरीर पर पड़े निशानों, नीलू के बयान और पुलिस की ताबड़तोड़ पिटाई के सामने उन शोहदों ने जल्दी ही अपना गुनाह कबूल कर लिया।

नीलू के साथ इस हरकत की जो वजह उन लड़कों ने बताई, वह बेहद शर्मनाक और हैरान कर देने वाली थी,ष्नीलू क्लास की सबसे इंटेलिजेंट लड़की थी जिसकी वजह से सर बार–बार उसका उदाहरण देकर हमें नीचा दिखाया करते थे। नीलू के साथ ऐसी हरकत करके हम उसका मनोबल तोड़ देना चाहते थे । आखिर वह एक लड़की है, वह भला लड़कों से आगे कैसे बढ़ सकती है? पर हमें नहीं पता था कि बात पुलिस तक जाएगी। उन लड़कों के परिवारजनों के सिर शर्म से झुके हुए थे। अगले दिन प्रेस वार्ता में नीलू के पापा पत्रकारों से मुखातिब थे,ष् हर एक लड़की अपने माँ बाप का स्वाभिमान होती है। किसी को हक नहीं कि वह किसी लड़की के साथ खिलवाड़ करे। मेरी बेटी के साथ जो हुआ, उसमें उसकी कोई गलती नहीं और जिनकी गलती है उन्हें अपनी सजा भुगतनी ही होगी। साथ ही हमें अपनी बच्चियों के साथ हुए ऐसे हादसों के खिलाफ लड़ना ही होगा ताकि हमारी बच्चियां अपना जीवन स्वाभिमान से जी सकें।ष्

पापा के चेहरे का तेज देखकर नीलू का आत्मविश्वास और स्वाभिमान लौट आए।

स्वरचित
ऋतु अग्रवाल मेरठ

कवनों समय आई त जाई

कवनों बाति नाही..केहूँ जल्दी सफल हो जाला,केहूँ के बहुत मेहनत कइले के बाद कुछू देखे के मिलला,कब्बो–कब्बो खलिहे हाथ रहि जाला,पर सही का बा,वोह पर खुद आपन विचार आवे के चाहीं,जब आपन विचार आई,त अमल बढियाँ से होई,कहे के त बहुत कुछ सब कहि,उ सुने के परी,ईहो सही हवे,कुछ अपने तकदीरियो के खेल होले,त एकर मतलब ई नाही हवे..हम हारि के बईठी जाईं,हमके चले के परी,अपने पर भरोसा करे के परी, राहें चलब त अच्छा–बुरा सब मिली..एसे दूर भी नाही रहि पईब,पर आपन वजूद तूँहके पता होवे के चाही,और बड़हन इच्छाशक्ति होखे के चाँही,परीक्षा देवे के परी,केहू बढियाँ अंक से पास होई,केहू कम अंक से पास होई,ई खयाल रहे,हम्मे कुछ हासिल करे के बा,त कड़ी मेहनत करे के परी,कड़ी मेहनत ई बतावे ले,हम कुछ नया क ई सकीं ला..माई–दादा के भी खयाल रखे के परी,विश्वास जतावे के परी,समय–समय पर लईकन के पुचकारे के परी,बड़हन नाही त..कवनों मजबूत ठिकाना जरुर मिली, प्रभु पर भरोसा होखे के चाहीं,समय एक जईसन नाही रहला,कवनों समय आई त उ जाई।हर समय के आपन एक वैलिडिटी होले..।

हम्में जवन भी मिलल बा,ओकर इज्जत होखे के चाहीं,गलती भी होई,सही भी होई,पर तूँ जीव में श्रेष्ठ हव,सोच सकल ल कहाँ से कुछ बढियाँ होई,लड़े के हिम्मत तूँ हीं के पैदा करे के परी,तुहरे में सब कुछ बा,लेकिश समय के साथ बूझे के परी।

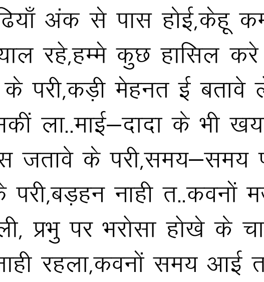

कवि सत्यनारायण पाण्डेय
नारायण
भीटी खोरिया

रचना पाण्डेय के जन्मोत्सव पर लवकुश तिवारी ने किया आविर्भावांजलि पत्रिका का विमोचन

15 मार्च दिन बुधवार को नवोदय साहित्यिक मंच की सक्रिय साहित्यकारा आदरणीया रचना पाण्डेय जी के जन्मदिन के शुभअवसर पर उन्हें मंच के द्वारा आविर्भावांजलि पत्रिका उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इस पत्रिका का संपादन नवोदय साहित्यिक मंच के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण कान्त मिश्र ने मंच के संस्थापक डॉ० ओउम् प्रकाश मिश्र जी के मार्गदर्शन में किया। डॉ० ओउम् प्रकाश मिश्र जी ने बताया है कि मंच के हर एक पदाधिकारी के जन्मदिन पर उन्ही की रचनाओं को संकलित करके उन्हें उपहार दिया जाता है। और इसी क्रम में रचना पाण्डेय जी को दी जा रही है। इस आविर्भावांजलि पत्रिका अंक–६ का विमोचन सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, छंदाचार्य, सुरसम्राट आ० लवकुश तिवारी जी ने फेसबुक लाइव के माध्यम से किया। लवकुश तिवारी जी ने बहुत शानदार तरीके से विमोचन को सम्पन्न किया और कहा इस बार की पत्रिका बहुत ही सुंदर, सुसज्जित, मनोहारी, अलंकरणयुक्त बनी है। एवं रचना पाण्डेय को शुभकामनाओं के साथ अपना शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर बहुत से कवियों ने अपने–अपने शुभकामना संदेश प्रेषित किये। इस अवसर पर मंच की उपाध्यक्षा डॉ० पूर्णिमा पाण्डेय जी, प्रीती द्विवेदी, गौतम सिंह अनजान, मंजूषा किंजवडेकर, सुनीता रानी राठौर, दिनेश मिश्र, स्वर्णलता सोन, विशाल भारती, शशिकला नायक, रुपा माला, अनिल राही, जय प्रकाश तिवारी, वीरेंद्र पाण्डेय, श्रीकांत तैलंग, अनुराधा प्रियदर्शिनी, संपदा मिश्रा सहित तमाम कवि कवयित्रियों ने अपने–अपने बधाई प्रेषित किये एवं इस विमोचन में साक्षी बनकर विमोचनकर्ता का हौसला बढ़ाते रहे। और इसी अवसर पर मंच द्वारा अनुपम मिश्र सुदर्शी को अलंकरण अधीक्षक के रूप में मनोनीत किया गया।

गुरुग्राम सड़क पर न्यूड होकर दौड़ पड़ा विदेशी युवक, लोगों ने पकड़कर पेड़ से बांधा

दिल्ली से सटे गुरुग्राम की पुलिस ने बुधवार को एक विदेशी नागरिक को यहां सड़क पर नग्न होकर दौड़ने के आरोप में हिरासत में लिया. एक अधिकारी ने ये जानकारी दी है. पुलिस के मुताबिक, शख्स के नाइजीरियाई नागरिक होने का संदेह है और उसे मेडिकल जांच के लिए सेक्टर 10 के सिविल अस्पताल ले जाया गया है. बादशाहपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक मदन लाल ने कहा, ष्अगर उसकी मानसिक स्थिति स्थिर है, तो उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा.ष् बुधवार शाम करीब 6 बजे वह सेक्टर 69 के ट्यूलिप चौक के पास सड़क के बीच नग्न अवस्था में दौड़ता देखा गया, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया. अधिकारी ने कहा कि जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो वह एक गांव की ओर भागा, जहां स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और एक पेड़ से बांध दिया. गौरतलब है कि बीते साल नवंबर में मुंबई से ऐसा ही मामला सामने आया था. महाराष्ट्र के ठाणे में उस वक्त हड़कंप मंच गया जब लोगों ने सड़क पर एक व्यक्ति को तंत्र–मंत्र करते देखा. वह नग्न अवस्था में बैठा हुआ था. आग जलाकर उसमें कुछ सामग्री डालकर वो जादू–टोना कर रहा था. उसकी इस हरकत को देखने के लिए लोगों का हुजूम लग गया. इससे करीब आधे घंटे तक ट्रैफिक जाम रहा. घटना कल्याण पश्चिम के आगरा रोड इलाके की है. यहां रात करीब 11.30 बजे बीच सड़क पर एक होटल के पास एक व्यक्ति नंगा बैठा था. वह लकड़ी के टुकड़ों में आग लगाकर उनमें कुछ डाल रहा था. उसके सामने स्टील की सात कटोरियां रखी हुई थीं. जिनमें कुछ सामग्री थी. बीच सड़क इस अजीबो–गरीब घटना को देखने के लिए स्थानीय लोग और कुछ राहगीर वाहन रोककर खड़े हो गए. देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई. इसी बीच मोहने मोहल्ले के एक शख्स ने यह देखा और स्थानीय पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने उसको हिरासत में ले लिया.

दिल्ली में 50 साल पुराने हनुमान मंदिर पर DDA ने चलाया बुलडोजर, विरोध में उतरी BJP

राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में 50 साल पुराने हनुमान मंदिर पर डीडीए का बुलडोजर चल गया. लोगों को इस बारे में पता चला तो मौके पर पहुंचे और विरोध करते हुए बुलडोजर पर चढ़ गए. इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रोक दी गई. इस मामले में दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष का आरोप है कि दिल्ली सरकार ने रिजियस कमेटी के गलत रिकमंडेशन पर कार्रवाई की है.
राजधानी दिल्ली में डीडीए का बुलडोजर चलने पर हंगामा हो गया है. दरअसल, यहां राजेंद्र नगर के शंकर रोड पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर है. गुरुवार की सुबह अचानक मंदिर परिसर में पुलिस फोर्स के साथ डीडीए का बुलडोजर पहुंच गया और मंदिर में तोड़फोड़ शुरू कर दी. इस बारे में जैसे ही लोगों को पता चला तो भारी संख्या में लोग पहुंच गए और डीडीए की कार्रवाई का विरोध करते हुए बुलडोजर पर जा चढ़ गए. लोगों के विरोध के बीच डीडीए ने तोड़फोड़ की कार्रवाई को रोक दिया. घटना के समय दिल्ली बीजेपी के नेताओं के साथ–साथ विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए. सभी ने दिल्ली सरकार को घेरते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. हालांकि कार्रवाई डीडीए की ओर से की गई थी. इसके बावजूद दिल्ली बीजेपी के नेताओं ने दिल्ली सरकार पर आरोप मढ़ते हुए कहा कि दिल्ली सरकार की रिलीजियस कमेटी ने डीडीए को गलत इनफॉरमेशन देकर प्राचीन मंदिर को तोड़ा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर शांत कराया मामला
वहीं कुछ लोगों का कहना था कि इस मंदिर के पास कुछ लोगों के अवैध कब्जे करने के लिए ये कार्रवाई कराई गई. इस मामले की जानकारी के बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया. पुलिस ने कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया. बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद के लोगों का कहना है कि जब तक मंदिर को दोबारा स्थापित नहीं किया जाता, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा. इस दौरान पूर्व दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उपाध्यक्ष दिल्ली बीजेपी राजन तिवारी, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता व स्थानीय महिला अनिता बजाज मौजूद रहीं.

आरोपों के घेरे में खड़ी कानपुर देहात की डीएम नेहा जैन

पिछले कुछ दिनों से आरोपों के घेरे में खड़ी कानपुर देहात की डीएम नेहा जैन (DM Neha Jain) के खिलाफ अब क्षेत्रीय सांसद ने भी मोर्चा खोल दिया है. अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने डीएम को पत्र भेजकर कानपुर देहात महोत्सव में लिए गए चंदे समेत 18 बिंदुओं पर जानकारी मांगी है. सांसद ने इस पत्र की एक कॉपी मुख्य सचिव को भी भेजी है. डीएम नेहा जैन को भेजे गए पत्र में सांसद ने जानकारी मांगी है कि क्या शासन ने कार्यक्रम के लिए अनुमति दी थी. यदि अनुमति नहीं थी तो किस आधार पर कार्यक्रम कराया गया. कार्यक्रम के पहले क्या जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई. इसके अलावा अधिकारियों के साथ की गई बैठक का भी ब्यौरा मांगा है.

महोत्सव के नाम पर करोड़ों रुपये वासूलने के आरोप

पिछले महीने कानपुर देहात में हुए महोत्सव में करोड़ों रुपये खर्च करके बड़े–बड़े सेलिब्रिटी को बुलाया गया था. यह कार्यक्रम कई दिनों तक चला था. कार्यक्रम के दौरान भी अधिकारियों पर जनप्रतिनिधियों, जिलावासियों और वकीलों ने भी मनमानी और तानाशाही के आरोप लगाए थे. महोत्सव के नाम पर करोड़ों रुपये वसूले जाने की चर्चा जोरों–शोरों से हुई थी. बता दें कि महोत्सव में औद्योगिक क्षेत्रों के साथ–साथ स्कूलों, अस्पतालों, बाजारों और हर विभाग के अधिकारियों को वसूली का एक बजट दिया गया था. जिससे काफी रुपये वसूले गये थे. होर्डिंग और बैनर लगवा कर खूब प्रचार प्रसार किया था. आरोप है कि अधिकारियों ने करोड़ों रुपये मनमानी तरीके से खर्च किए.

सांसद ने डीएम पर लगाए कई गंभीर आरोप

अकबरपुर सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने डीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले में कानपुर देहात महोत्सव का कार्यक्रम हुआ इसकी जानकारी देना भी डीएम ने उचित नहीं समझा. यह नियमों के विपरीत है. 3 फरवरी को केवल एक आमंत्रण भेज कर औपचारिकता निभा दी गई. उन्होंने सवाल उठाया कि कार्यक्रम में खर्च करने के लिए क्या टेंडर प्रक्रिया हुई. भुगतान करते समय वित्तीय नियमों का पालन किया गया या नहीं. कार्यक्रम के लिए शासन की ओर से मिली ध् ानराशि किन–किन मदों में खर्च की गई है. इसके अलावा किन–किन लोगों से चंदा वसूला गया और किन–किन अधिकारियों ने चंदे वसूले. सांसद ने डीएम से इन सभी की सूची मांगी है.

राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी जाहिर की थी नाराजगी

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने भी नाराजगी व्यक्त की थी. उन्होंने कहा था कि इतने बड़े कार्यक्रम में कहीं भी सीएम योगी व पीएम नरेंद्र मोदी की फोटो तक नहीं लगाई गई. जबकि डीएम व सीडीओ की फोटो हर जगह बैनर में दिख रही थी. राज्यमंत्री ने डीएम से जिला ना संभाल पाने की भी बात कही थी.

अपर जिला जज ने भी लगाया था आरोप महोत्सव के नाम पर सीएसआर फंड का दुरुपयोग करने पर अपर जिला जज ने भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति को एक पत्र लिखा था. जिसमें उन्होंने कहा था कि महोत्सव के नाम पर मौज मस्ती हुई और सीएसआर फंड का दुरुपयोग किया गया. अपर जिला जज ने पत्र में साफ तौर से लिखा था कि यह महोत्सव सिर्फ अधिकारियों व अमीर लोगों के लिए था. यहां पर ग्रामीण और गरीबों के लिए कोई सुविधा नहीं थी. हर जगह पैसे लिए जा रहे थे. अधिकारियों ने करोड़ों रुपये सिर्फ अपनी सुविधा के लिए खर्च कर दिए. जो पैसे खर्च किए गए वह जनता के हित में भी आ सकते थे. उन्होंने पत्र में लिखा था कि कई दिनों तक चले महोत्सव से कार्य में भी बाधा आई है.।

गोमती नदी की पैदल परिक्रमा कर रही वॉटर वुमन शिप्रा का कांकर घाट पर हुआ भव्य स्वागत

आज गोमती उद्गम से विलय स्थल तक पैदल यात्रा करने वाली वॉटर वुमन शिप्रा का मोहम्मदी के कांकर घाट पर भव्य स्वागत किया गया। दर्जनों ग्रामों के ग्रामवासी आज सुबह से ही पैदल यात्रा कर रही वॉटर वुमन शिप्रा के स्वागत में बड़े जोश के साथ सुबह से एकत्रित थे। वॉटर वुमन के पहुंचते ही हर हर गोमती के नारे के साथ पूरा वातावरण गोमतीमय हो गया।शिप्रा ने सभी ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा की मै आप लोगों के बीच धर्म,पर्यावरण और संस्कार को एक ही माला में पिरोने आई हूं।उन्होंने कहा की आप सभी लोग एक गांव की तीस लोगों की समिति बनाएं जिसमें प्रत्येक व्यक्ति एक दिन की आरती का खर्चा वहन करेगा जिसका पूरा परिवार उस दिन आरती में शामिल भी रहेगा इससे हमारी आने वाली पीढ़ियां आदि गंगा गोमती से परिचित होंगी एवम पूजन के साथ धार्मिक भावना जागृत करके पर्यावरण को बचाना होगा।इस दौरान प्रमुख रूप से मंदिर पर महात्मा संतोष गिरी, जंगलीनाथ के महात्मा ठा.नि. जिला महामंत्री भाजपा अनुज सिंह चौहान, ऋषि पाल सिंह, नरेश सिंह, जय वीर सिंह, सर्वेश सिंह, योगेंद्र सिंह ,अरुण कुमार सिंह, दाता राम कश्यप, आसाराम कश्यप, ओंमकार सिंह कुलेंद्र सिंह, विजय कुमार सिंह राजपाल सिंह, रविंद्र पाल, समेत सैकड़ों गोमती भक्त उपस्थित रहे।

सिसोदिया की बढ़ी मुसीबतें, CBI ने अब जासूसी के मामले में दर्ज किया केस, केजरीवाल बोले- मामला कूड़ा है

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की मुसीबतें और बढ़ सकती हैं. दरअसल, सीबीआई ने उनके खिलाफ एक और मामला दर्ज किया है.ये केस श्फीडबैक यूनिटश्के जरिए जासूसी करने का है. फरवरी में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मनीष सिसोदिया पर सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और जांच करने की मंजूरी दी थी. उधर, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस केस को कूड़ा करार दिया है. उन्होंने कहा कि हम अभी कूड़े पर बात कर रहे हैं,लेकिन वो भी कूड़ा (केस) ही है. क्या है मामला?दरअसल, दिल्ली सरकार में विजिलेंस डिपार्टमेंट मनीष सिसोदिया के पास है. जिसमें साल 2015 में फीड बैक यूनिट (थ्ठन) का गठन किया गया था. तब इसमें 20 अधिकारियों के साथ काम करना शुरू किया था. आरोप है कि थ्ठन ने फरवरी 2016 से सितंबर 2016 तक राजनीतिक विरोधि ायों की जासूसी की. यूनिट ने न सिर्फ बीजेपी के बल्कि ।।च से जुड़े नेताओं पर भी नजर रखी. इतना ही नहीं यूनिट के लिए स्ळ से भी कोई अनुमति नहीं ली गई. आरोप है कि यूनिट ने तय कामों अलावा राजनीतिक खुफिया जानकारी भी इकट्ठा की. सीबीआई को शुरुआती जांच में सबूत मिले हैं कि FBU ने राजनीतिक खुफिया जानकारी इकट्ठा की. इसके बाद सीबीआई ने 12 जनवरी 2023 को इस मामले में खुफिया विभाग को एक रिपोर्ट पेश की और एलजी से भ्रष्टाचार के मामले में मनीष सिसोदिया और अन्य अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की थी. एलजी के बाद गृह मंत्रालय ने सीबीआई को जांच के लिए परमिशन दे दी थी. केजरीवाल बोले– ये दुखाद उधार, अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि पीएम मोदी की साजिश है कि मनीष सिसोदिया पर झूठे केस लगाकर उन्हें जेल में ही रखा जाए. यह देश के लिए दुखद है. अभी सीबीआई और ईडी की गिरफ्त में हैं सिसोदिया

दिल्ली की शराब नीति में कथित घोटाले के मामले में सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था. इसके कुछ दिन बाद जेल में ही ईडी ने पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था. सिसोदिया 20 मार्च तक न्यायिक हिरासत में हैं. वे अभी तिहाड़ जेल में बंद हैं. उनकी जमानत याचिका पर 21 मार्च को सुनवाई होनी है.

क्या है शराब नीति घोटाला?दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने 17 नवंबर 2021 को नई एक्साइज पॉलिसी लागू की थी. दिल्ली सरकार ने नई एक्साइज पॉलिसी लाने को लेकर माफिया राज खत्म करने का तर्क दिया था. ये भी दावा किया गया था कि इससे सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा. जुलाई 2022 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव ने इस मामले में एलजी वीके सक्सेना को रिपोर्ट सौंपी थी. इसमें एक्साइज पॉलिसी में गड़बड़ी के साथ ही डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पर शराब कारोबारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का भी आरोप लगा था. इसी रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने 17 अगस्त 2022 को सिसोदिया समेत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था. 22 अगस्त को ईडी ने आबकारी नीति में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था. 6 महीने की जांच के बाद सीबीआई ने सिसोदिया को गिरफ्तार किया.

फरधान नेत्र जांच केंद्र पर उपलब्ध होंगी गुणवत्ता पूर्ण सुविधाये

आई हॉस्पिटल और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में फरदान में खुलने वाले नेत्र जांच केंद्र पर समुदाय में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत आशा बहन स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर प्रधान व विद्यालय के शिक्षक व स्वयंसेवियो के साथ बैठक की गई बैठक में मुख्य रूप स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों ने भी प्रतिभाग किया , बैठक में डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल के विपिन पांडे के द्वारा नेत्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से बताया गया उन्होंने कहा कि समुदाय में संस्था द्वारा नेत्र स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित कर्मियों द्वारा आंखों की जांच घर–घर जांच की जा रही है जिसमें परिवार के सभी सदस्यों के आंखों की जांच कर नेत्र जांच केंद्र पर रेफर किया जा रहा है जहां पर आंखों की जांच व चश्मे का नंबर मोतियाबिंद की जांच व ऑपरेशन आंखों में लालपन पानी आना व अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है बैठक में स्वयंसेवी अशोक सक्सेना ने डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल का इतिहास बताते हुए कहा कि 2010 से यह संस्थान चल रहा है जिसमें बहुत से गरीब महिला पुरुष का निशुल्क ऑपरेशन व सुविधाएं उपलब्ध की जा रही हैं जो की बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरध् ाान से आए हुए डॉ मुकेश ने बताया कि इस क्षेत्र में नेत्र जांच केंद्र की बहुत आवश्यकता थी जिसके लिए हम डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पिटल का हार्दिक ध् ान्यवाद देते हैं और इनको हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन देते हैं वही संदीप कुमार दिलीप वर्मा रामशरण जयप्रकाश वर्मा जमुनादीन वर्मा प्रधान के द्वारा नेत्र जांच खुलने पर खुशी जाहिर की गई उन्होंने कहा नेत्र के बहुत से मरीज इध् ार–उधर भागते फिरते थे जिससे अब उनकी मदद हो जाया करेगी और अपने घर के पास ही आंखों से संबंधित सभी बीमारियों का इलाज मिल पाएगा स्वयं सहायता समूह की राखी शर्मा ने बताया कि हमारे समूह की महिलाओं को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा कल आप परियोजना समन्वयक समीर अली ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को फरधान में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया

CBI के समन को तेजस्वी ने दिल्ली HC में दी चुनौती, अदालत को याचिक लिखकर की ये मांगें

बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने ब्ठप् के समन को रद्द करने की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है. दरअसल ब्ठप् ने उनके खिलाफ समन जारी किया है. जिसे कि तेजस्वी रद्द कराना चाहते हैं. तेजस्वी यादव की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि जब वह पटना में रह रहे हैं तो उन्हें दिल्ली में समन जारी किया जा रहा है. उनका कहना है कि सीआरपीसी की ध् ारा 160 के तहत नोटिस केवल स्थानीय अधिकार क्षेत्र में ही जारी किया जा सकता है. तेजस्वी यादव ने कहा, सीबीआई उन्हें दिल्ली में पेश होने के लिए नोटिस जारी कर कानून का घोर उल्लंघन कर रही है. याचिका में कहा गया है कि उन्होंने सीबीआई से वर्तमान बिहार विधानसभा सत्र के समापन तक का समय मांगा है. तेजस्वी का कहना है कि वे तीन बार वह सीबीआई से यह अनुरोध कर चुके हैं कि उन्हें विधानसभा सत्र खत्म होने तक का समय दिया जाए. क्योंकि नवनियुक्त डिप्टी सीएम के तौर पर सत्र में शामिल होना उनका दायित्व है. दिल्ली हाई कोर्ट में गुरुवार को जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा की पीठ तेजस्वी की इस याचिका पर सुनवाई करे. दरअसल लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में तेजस्वी यादव से पूछताछ के लिए ब्ठप् ने समन जारी किया हुआ है. इस मामले को लेकर लालू यादव, राबड़ी देवी और मीसा भारती समेत 14 लोगों की बुधवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी हुई थी. अदालत ने काफी समय पहले ही लालू परिवार को कोर्ट में पेश होने के लिए कह दिया था.हालांकि सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू परिवार को बड़ी राहत दी. अदालत ने सभी आरोपियों को जमानत दे दी और अब इस मामले में अगली सुनवाई 29 मार्च को होने वाली है. क्या है लैंड फॉर जॉब स्कैम?ये घोटाला उस समय का है जब लालू यादव रेल मंत्री थे. दावा है कि लालू यादव ने रेल मंत्री रहने के दौरान रेलवे में लोगों को नौकरी देने के बदले उनसे जमीन ली थी. लालू यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री थे. इस मामले में 18 मई 2022 को सीबीआई ने केस दर्ज किया था.सीबीआई के मुताबिक, लोगों को पहले रेलवे में ग्रुप डी के पदों पर सब्स्टीट्यूट के तौर पर भर्ती किया गया और जब उनके परिवार ने जमीन का सौदा किया, तब उन्हें रेगुलर कर दिया गया. सीबीआई का कहना है कि पटना में लालू यादव के परिवार ने 1.05 लाख वर्ग फीट जमीन पर कथित तौर पर कब्जा कर रखा है. इन जमीनों का सौदा नकद में हुआ था. यानी, लालू परिवार ने नकद देकर इन जमीनों को खरीदा था. सीबीआई के मुताबिक, ये जमीनें बेहद कम दामों में बेच दी गई थीं. रेलवे में नौकरी के लिए कम दामों में देनी पड़ी जमीन सीबीआई ने ये भी पाया कि जोनल रेलवे में सब्स्टीट्यूट की भर्ती का कोई विज्ञापन या पब्लिक नोटिस जारी नहीं किया गया था. लेकिन, जिन परिवारों ने यादव परिवार को अपनी जमीन दी, उनके सदस्यों को रेलवे में मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में नियुक्ति दी गई. म्क के मुताबिक, कुछ उम्मीदवारों के आवेदनों को अप्रूव करने में जल्दबाजी दिखाई गई. कुछ आवेदनों को तीन दिनों में ही अप्रूव कर दिया गया. पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे ने उम्मीदवारों के आवेदनों को बिना पूरे पते के भी अप्रूव कर दिया और नियुक्त कर दिया. कुल मिलाकर लालू यादव एंड फैमिली ने कथित तौर पर 7 उम्मीदवारों को जमीन के बदले नौकरी दी थी. इनमें से पांच जमीनों की बिक्री हुई थी, जबकि दो गिफ्ट के तौर पर दे दी गई थी.

दिव्यालय एक व्यक्तित्व परिचय में हुआ साक्षात्कार अतिथि (Banana Boy Of India) अनुसंधान कर्ता गोपाल जी का होस्ट किशोर जैन के साथद्य

होनहार वीरवान के होत चिकने पात ''

भारत आज विश्व गुरु बन खड़ा है इसका श्रेय यहाँ के शिक्षक, उद्योगपती, वैज्ञानिक एवं डॉक्टर्स को भी जाता है स भारत की वैज्ञानिक प्रगति होना भी जरूरी था जिससे हम अनेक उन्नति के शिखर पर अग्रसर हो रहे हैं । वैज्ञानिकों में ए पी जे कलाम हो, अनिल काकोड़कर हो, होमी भाभा हो, सी एन राव हो या हमारे आज के उभरते वैज्ञानिक गोपाल जी हो '' आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है, यह कहावत पुर्ण रूपेण सत्य है, बिहार प्रांत के सबसे कम उम्र और बी. टेक 4जी ईयर के स्टूडेंट एवं साइंटिस्ट गोपाल जी, एक किसान परिवार से आते हैं, पिता केले की खेती कर बच्चों का लालन – पालन करते हैं, आठ वर्ष की आयु में इन्होंने भयंकर बाढ़ की विभिषिका देखी जिसका असर इनके परिवार पर भी पड़ा, सारी फसल बरबाद हो गयी केले की खेती को बाढ़ ने पूरी तरह लील लिया, उसी समय इन्होंने देखा की कई आमों के पेड़ जो सुख गये थे, उनकी लकड़ियों के भी अच्छे दाम मिल रहें हैं, तभी से इनके दिमाग में यह बात घर कर गयी क्यों न इस केले के वृक्ष से भी उचित अविष्कार कर इसे भी रियुजेबल बनाया जाए, और यह शुभ कार्य इन्होंने कर दिखाया, आज ये केले की फलस को हो जाने के बाद कृषकों से उन पेड़ों को खरीद लेते हैं, और इनसे ये डिस्पोजेबल प्लेटस बाउल बनाने का कार्य कर कितने ही बेरोजगारों को आय का जरिया दिया है, सबसे बड़ी बात यह आसानी से गल जाता है, जिससे धरती के लिए भी हानिकारक नहीं है, जिस तरह आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में है, ग्लेशियर पिघल रहें हैं, ओपन लेयर में ब्लैक हाल है, उन सब के मध्य नजर यह बहुत सुंदर और कारगर आविष्कार है, यहाँ हम बताते चलें इन्हें नाशा से भी मौका मिला, लेकिन इन्होंने स्वछंद रूप से कार्य करना उचित समझा, और नित नये प्रयोग कर समाज और युवा प्रतिभाओं को नयी राह दिखा रहे हैं

गोपाल जी आज समाज को आप जैसे ही होनहारों की आवश्यकता है

अंत में बेहतरीन संचालन कर रहे यू.के. से किशोर जैन जी ने अपने अतिथि को धन्यवाद दिया स इस नेक व सराहनीय कार्य के लिए दिव्यालय की संस्थापक व कार्यक्रम आयोजक व्यंजना आनंद श्मिथ्या श, और अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक मंजिरी निधि श्गुलश्जी को कार्यक्रम आयोजन के लिए ध ान्यवाद दिया तथा बताया कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण टलंदरंदं ।दंदक झ्ंअलं वींतं यूट्युब चौनल पर लाइव हर बुधवार शाम सात बजे हम देख सकते हैं या उसकी रेकॉर्ड वीडियो को बाद में देखा जा सकता है

पूरे दिव्यालय परिवार की तरफ से उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप के हौसलें को कोटि– कोटि नमन है।

बारिश-तेज आंधी और ओलावृष्टि के आसार, गिरेगा तापमान

मिर्जापुर ।उप कृषि निदेशक मीरजापुर ने जिले के किसान भाईयों को सूचित करते हुए बताया कि मौसम विज्ञान केन्द्र लखनऊ के द्वारा अवगत कराया गया है कि दिनांक 16 मार्च 2023 से 20 मार्च 2023 तक मौसम की स्थिति खराब रहेगी। दिनांक 16 मार्च 2023 को राज्य के अलग–अलग स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की बारिश की संभावना है। दिनांक 17 मार्च 2023 को कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना व बिजली गिरने की संभावना है। दिनांक 18 मार्च 2023 को कई स्थानों पर गरज व बिजली के साथ हल्की बारिश की संभावना है। उप कृषि निदेशक, मीरजापुर द्वारा बताया गया कि जिन किसान भाईयों द्वारा मटर, मसूर, सरसों की कटाई कर चुके है तो उसकी थ्रेसिंग शीघ्र से शीघ्र करते हुए अनाज को उचित स्थान पर भण्डारण कर लें, अथवा खलिहान में पड़े हुए कटी फसल को तिरपाल से ढकने की व्यवस्था कर लें।

शौचालय बनवाने में लाखों का खेल

मिर्जापुर। सिटी ब्लॉक के अंतर्गत पिपराडाढ़ ग्राम सभा में भ्रष्टाचार का अद्भुत नमूना देखने के बावजूद सरकारी विभाग किस अधिकारी को या कर्मचारी को बचाना चाह रहा है अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है आम जनमानस के मुताबिक साल भर पहले ही पिपरादाड में बन रहे सामुदायिक शौचालय के नाम पर रुपया हजम करने के बाद सामुदायिक शौचालय में काम पूरा न करा पाने की चर्चा सार्वजनिक हो चुकी है । उसके बावजूद जिला प्रशासन की तरफ से जिम्मेदार कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत न कराया जाना कई सवाल उत्पन्न करता है ।

जनपद मिर्जापुर जिले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर लगभग दर्जनभर मंत्रियों का आगमन इस जिले में हो चुका है ज्यादातर लोगों को यह लगता है कि जब बड़े मंत्रियों का आगमन होता है तो भ्रष्टाचार करने वाले लोगों की कमर टूटती है क्षेत्र में विकास के काम और मजबूत होते हैं विकास को पंख लगते हैं नई आशाएं उम्मीदें जनता की पूरी होती नजर आती है,लेकिन यहां इसके ठीक विपरीत बड़े–बड़े मंत्रियों के आगमन से सिर्फ विंध याचल मंदिर तक दर्शन करना ही सीमित प्रतीत होता है। सार्वजनिक शौचालय में सरकार के द्वारा दी गई धनराशि का बंदरबांट किन लोगों के बीच हुआ है जिला प्रशासन के द्वारा क्या इन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है हर कोई सवाल के जवाब को प्रतीक्षारत है ।मगर घटना का पर्दाफाश होने के लंबे वक्त के बाद भी किसी को जिम्मेदार ठहराया ना जाना यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

विद्युत कर्मचारियों की खुली चेतावनी, वादा पूरा करें या हड़ताल झेलने को रहे तैयार

दि ग्राम टुडे

मिर्जापुर ।विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उ०प्र० के साथ 03 दिसम्बर, 2022 को हुई ऊर्जा मंत्री के लिखित समझौता लागू न होने तथा ओबरादृअनपरा की नई विद्युत उत्पादन इकाईयों को एन०टी०पी०सी०लिमिटेड को देने तथा पारेषण स्कन्ध के निजीकरण के विरोध में आज विरोध का दुसरा दिन रहा, आज की विरोध सभा मुख्य अभियन्ता कार्यालय फतहों पर की गई। जिसकी अध्यक्षता अधिशासी अभियन्ता, इं० राजेश कुमार प्रजापति ने की तथा सभा का संचालन संयोजक अभय सिंह द्वारा की गई। सभा को सम्बोधित करते हुए सह संयोजक राम सिंह द्वारा बताया गया कि ऊर्जा मंत्री एवं मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी के लिखित समझौते को लागू न करके प्रबन्धन द्वारा समस्त विद्युत कर्मचारियों को आंदोलन के लिए विवश किया जा रहा है तथा आम जनमानस को अंध ाकार में रखकर जिले के उच्च प्रबन्धन द्वारा सरकार के समक्ष सही आकड़ा नहीं रखा जा रहा है। दिनांक 16.03.2023 को रात्रि 10:00 बजे होने वाले हड़ताल के दृष्टिगत प्रबन्धन अपनी तैयारी कर ले क्योंकि अब इस आन्दोलन को हड़ताल में जाने से कोई रोक नहीं सकता है। सभा की अध्यक्षता कर रहे इं० राजेश कुमार प्रजापति द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में ऊर्जा मंत्री द्वारा दिनांक 03.12. 2022 को किये गये लिखित समझौते का पालन न कराने के कारण पूरे प्रदेश में सभी विद्युतकर्मी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले एक जूट हो कर कार्य बहिष्कार करने के लिए बाध्य हो रहे है। जो कि उच्च प्रबन्धन के हट धर्ममिता के कारण धरनारत है। इसी क्रम में इं० देवेश सविता एवं विनोद प्रजापति द्वारा धरना एवं हड़ताल के सम्बन्ध में यह भी अवगत कराया गया कि रात्रि 10रू00 बजे से सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हड़ताल पर चले जायेंगे जिससे होने वाली अद्यौगिक अशांति की समस्त जिम्मेदारी उच्च प्रबन्धन की होगी। आज की सभा में इं० सुमित कुमार यादव, प्रदीप कुमार मौर्या, पंचधारी सिंह, शिव शंकर सिंह, विनय गुप्ता, उमेश चन्द्र, विनय सिंह, सुनील कुमार यादव, इं० चन्द्रमोहन कुमार, दीपक पटेल, इं० विपिन कुमार, महेश कुमार मौर्या, राम सजीवन सिंह, चन्द्र शेखर सिंह, जय शंकर प्रसाद, अभिषेक त्रिपाठी, भनू प्रताप सिंह, राम निहोर, विनीत सिंह, अनुराग अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

संह संयोजक इं० सुमित कुमार यादव तथा राजेश गौतम ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि ऊर्जा प्रबन्ध और चेयर मैन की तानाशाही के विरुद्ध तथा समस्याओं के समाधान को लेकर प्रदेश भर में विद्युत अधि ाकारी ध कर्मचारी लागवन्द है तथा सभा विद्युत कार्यालयों में कार्य पूर्णतः ठप रहा। यदि आज भी वार्ता से हल नहीं निकला तो हड़ताल से जाना ही संगठन का एक मात्र मार्ग है।

फगुआ सम्मेलन मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए रीवा नगर महापौर आदरणीय अजय मिश्रा बाबा

मध्यप्रदेश सेमरिया विधानसभा के अन्तर्गत शाहपुर में युवा समाजसेवी दिवाकर द्विवेदी द्वारा किया गया विशाल फाग सम्मेलन का आयोजन मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे रीवा नगर महापौर अध्यक्ष फाग मंडली द्वारा एवं सिमरिया के लोगों के द्वारा नगर महापौर अध्यक्ष जी का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया वही दीवान अगर महापौर द्वारा कहा गया होली मिलन समारोह जोकि दिवाकर द्विवेदी द्वारा रखा गया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है इसमें हम एक दूसरे से मिलकर मतभेद मिटाकर होली समारोह की बधाई देते हुए एकत्र होते हैं इसी तरह हम सब को एकत्र होना चाहिए और सिमरिया विधानसभा के लोगों के लिए सुख समृद्धि कामना करता हूं जिसमें मुख्य रुप से रीवा नगर महापौर अजय मिश्रा बाबा जी कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजी. श्री राजेंद्र शर्मा जी कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री त्रियुगीनारायण शुक्ल भगत जी , संगठन मंत्री श्री रवि तिवारी पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप सोहगौरा पूर्व पार्षद श्री राम प्रकाश तिवारी पत्रकार उमेश पाठक लालमणि पांडे कांग्रेस नेता एडवोकेट हेमराज पांडे राघवेंद्र पाठक प्रकाश नारायण पाठक एडवोकेट घनश्याम तिवारी एडवोकेट सिद्धार्थ पाठक रीवा ओंकारेश्वर शुक्ला, धर्मेन्द्र मिश्रा सहित कांग्रेस जन एवं ग्रामीण जन हजारों की तादाद में उपस्थित रहे ।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का मॉडल अपनाएगी असम की स्किल यूनिवर्सिटी

असम के प्रतिनिधिमंडल ने प्रारूप और कार्यप्रणाली को समझने के लिए किया विश्वविद्यालय का दौरा। पलवल असम में बनने वाला कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की तर्ज पर होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किए गए मानकों और आदर्शों को वहां लागू किया जाएगा। इसी कड़ी में असम का एक प्रतिनिधि ामंडल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का दौरा करने पहुंचा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रारूप और तौर–तरीकों को समझा।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में पहुंचे असम के प्रतिनिधिमंडल का जोरदार स्वागत किया गया। ज्योतिष कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण करवाया गया और उन्हें अत्याध ुनिक लैब और वर्क स्टेशन दिखाए गए। दोहरे एकीकृत मॉडल को असम में स्थापित करने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के अनूठे प्रयोग प्रतिनिधिमंडल में शामिल विशेषज्ञों को काफी पसंद आए। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने कौशल शिक्षा के क्षेत्र में कई अभिनव प्रयोग किए हैं। अब यह अनुभव देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के काम आएंगे। इस लिहाज से श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय देश में सभी राज्यों के लिए एक आदर्श संस्थान बन गया है। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि देशभर में कौशल आधारित शिक्षा पर बनने वाले संस्थान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के मानकों पर काम कर रहे हैं। इसी कड़ी में असम में स्थापित होने कौशल विश्वविद्यालय के प्रारूप के लिए प्रतिनिधिमंडल ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे ज्योतिष कुमार शर्मा ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने देश में एक आदर्श स्थापित किया है। अब इसी के आधार पर दूसरे संस्थान भी आगे बढ़ पाएंगे। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा किए गए यह प्रयास अनुभव और मॉडल के तौर पर हमारे सामने हैं। यह अपने आप में कौशल शिक्षा का उत्कृष्ट मॉडल है।

असम के प्रतिनिधिमंडल को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का इनोवेटिव स्किल स्कूल बहुत पसंद आया। स्कूल शिक्षा में कौशल और व्यवसायिक कोर्सों के समायोजन की उन्होंने जमकर तारीफ की। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. जलबीर सिंह ने उन्हें पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर डीन प्रो. सुरेश कुमार, प्रो. रंजीत सिंह, प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. संजय राठौर, उप कुल सचिव डॉ. ललित शर्मा, डॉ. मनी कंवर, डॉ. प्रीति, डॉ. सुनील शर्मा और आरपीएल के पाठ्यक्रम प्रबंधक संजय आनंद ने असम के प्रतिनिधिमंडल को अपने–अपने विभागों के संबंध में जानकारी दी।

असम के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के अधि ाकारी।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ जुड़ेंगे उत्कृष्टता केंद्र!

हरियाणा सरकार के बागवानी विभाग के उत्कृष्टता केंद्र श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ जुड़ेंगे। यह उत्कृष्टता केंद्र इजराइल, नीदरलैंड, इंग्लैंड और पेरू जैसे देशों के साथ मिलकर बागवानी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा बागवानी में करवाए जा रहे कोर्स को आने वाले समय में उत्कृष्टता केंद्रों के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसी कड़ी में बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जोगिंद्र सिंह घनघस ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न देशों के साथ मिलकर इस समय हरियाणा में 14 उत्कृष्टता केंद्र चलाए जा रहे हैं। कृषि संकाय के डीन प्रो. रणजीत सिंह ने बताया कि बागवानी विभाग के साथ मिल कर कोर्स को एकीकृत बनाने की योजना है। इस संबंध में एक एमओयू करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। प्रो. रणजीत सिंह ने बताया कि बागवानी विभाग के साथ डी. वॉक हॉर्टिकल्चर कोर्स, उसके पाठ्यक्रम, अन्य संस्थानों की संबद्धता और फैकल्टी एक्सचेंज सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई है। इसअवसर पर एसीडी के व्यापार प्रबंधक सरोज मिश्रा और डॉ. हेमंत भी मौजूद थे। बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जोगिंद्र सिंह घनघस के साथ विचार विमर्श करते डीन एग्रीकल्चर प्रोफेसर रणजीत सिंह और सरोज मिश्रा।

पिता-भाई की मौत तो पूरे गांव ने भरा मीरां बाई का मायरा

राजस्थान का नानी बाई का मायरा तो जग प्रसिद्ध है। जब अपने भक्त नरसी जी की मदद करने स्वयं भगवान कृष्ण ध ारती पर मायरा भरने आए थे। ऐसा ही एक चरितार्थ मायरा सामने आया है। भादरा विधानसभा क्षेत्र के सबसे बड़े गांव नेठराना में। यहां भी एक अद्भुत मायरा देखने को मिला। जानकारी के अनुसार भादरा उपखण्ड के गांव नेठराना की बेटी मीरा जो फतेहाबाद जिले के गांव जांडवाला बागड़ हरियाणा में शादी हुई है। मीरा के पति का कुछ साल पहले स्वर्गवास हो चुका हैं। मीरां के सिर्फ दो बेटियां है, दोनों ही बेटियों की शादी 15 मार्च को थी। मीरा का न भाई है और पिता का साया भी सिर से उठ चुका है। अब मीरा की बेटी यानि नेठराना की भांजी बिटिया की शादी थी। मीरां के पिता जोराराम बेनीवाल का बहुत पहले ही देहांत हो चुका था। अविवाहित भाई संतलाल भी गांव की पंजाबी बाबा की कुटिया में रहने लगा। वो भी कुटिया में सेवारत रहते इस दुनियां से चल बसा। मीरा जब भात का न्योता देने नेठराना अपने पीहर पहुंची तो उसको अपने पिता व भाई न होने का मलाल हुआ। दुखी मन से बेटी मीरा ने अपने स्वर्गीय भाई की कुटिया को टिक्का (तिलक) निकाल दिया और कुटिया को भात का न्योता देकर अपने ससुराल चली गई।

लाखों रूपए का भरा मायरा अब सरपंच राजेन्द्र निमीवाल,मंगल सैन ऐचरा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर निर्णय लिया कि मीरा बाई के मायरा भरा जाए। ग्रामीणों ने सैंकड़ो की संख्या में इकट्ठे होकर लगभग 7 लाख रुपए का नगद मायरा और अन्य बान व कन्यादान,जेवरात,कपड़े समेत करीब 10 लाख रुपए का मायरा भरने की तैयारी कर ली। मीरा के भाई की करीब 10 साल पूर्व मृत्यु हो गई थी। उसके पिता का देहात हुए 20 साल से अधिक हो गए। मां भी नहीं है। मीरा देवी करीब 10 दिन पूर्व गांव में भाई की समाधि पर भात का तिलक लगाने आई थी ।मायके से आए लोगों को देख भावुक हुई महिला हरियाणा के जांडवाला बागड़ में 15 मार्च बुधवार को सोनू और मीनो के विवाह का दिन आया तो उसके ननकाने से एक दो नहीं बल्कि 500 के करीब भाती ढ़ोल नगाड़े के साथ पहुंच गए। मायके (पीहर) से आए लोगों को देख कर मीरा की आंखें छलछला उठी। भातियों ने यहां वो हर रस्म अदा की, जोकि मामा करता है। नेठराना गांव द्वारा भरा गया मायरा हर तरफ चर्चा का विषय बना हुआ है। जो सुनता है ग्रामीणों की प्रशंसा किये बिना नहीं रहता। राजस्थान से रामस्वरूप रावतसरे

अब लौट चले

क्या सुनहरी शाम थी वो,
क्या था भौर का उजाला वो,
क्या नदी का मीठा पानी वो,
क्या पेड़ो–पर्वतों की हरियाली वो,
मंदिर की घंटी बजते उमड़ते लोग वो,
शाम को मित्रों से मिलने के नजारे वो
वो खेल वो मस्ती कहाँ गए वो,
त्योहारों पर पारिवारिक धूम वो,
समारोह पर मिलन का उत्साह वो,
कहाँ गए दिन अब वो,
कहाँ गई रातें अब वो,
शायद अब ना रहें लोग वो,
ना बचें रस्मे रिवाज अब वो,
छोड़ गए गाँव को दूर अब वो,
तरसते है अब उस सुकून को वो,
यूं तो अब भी तलाशते सकून वो,
पर ना मिलता उनको कहीं ना वो,
तो क्या लौट चले अपने गाँव को,
अब वहीं मिलेगी सुकून की छाँव वो।

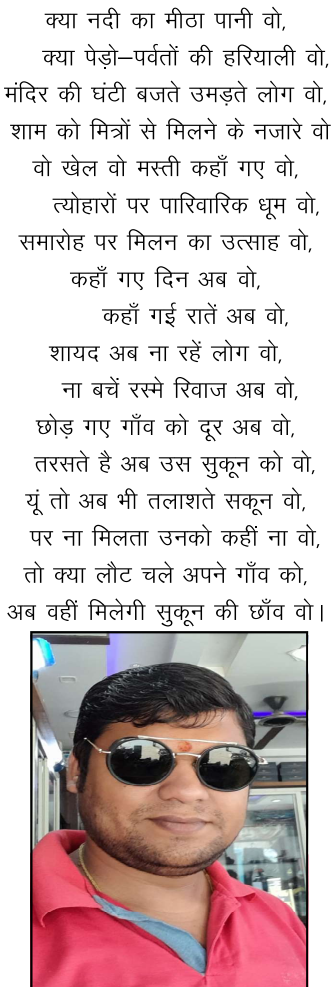

सुदीप सकरगायें
खिरकिया(हरदा)म.प्र.

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

आईएमएफ ने पाकिस्तान पर डाला है परमाणु मिसाइल प्रोग्राम खत्म करने का दबाव

ऋण की नई किस्त जारी करवाने में लगातार हाथ लगी मायूसियों के बाद अब पाकिस्तान सरकार सीधे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के खिलाफ मोर्चा खोलती नजर आ रही है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने आईएमएफ पर 'गैर–रवायती नजरिया' अपनाने का आरोप लगाया है।

वित्त मंत्री के बयान से संकेत मिला है कि आईएमएफ ने ऋण देने के बदले पाकिस्तान पर शर्त लगाई है कि वह लंबी दूरी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल परियोजना का परित्याग कर दे। डार ने कहा कि पाकिस्तान से ऐसी मांग करने का अधिकार किसी को नहीं है। इस बात को महत्त्वपूर्ण समझा गया है कि डार ने यह वक्तव्य कई देशों के राजदूतों के साथ हुई विशेष बैठक के दौरान दिया।

डार ने कहा– 'पाकिस्तान को यह बताने का अधिकार किसी को नहीं है कि वह किस प्रकार के हथियार रखे और किस प्रकार के नहीं। हमें अपनी सुरक्षा खुद करनी है।' पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह पहला मौका है, जब आईएमएफ से कर्ज की लंबे समय से चल रही वार्ता के सिलसिले में पाकिस्तान की परमाणु मिसाइलों का मुद्दा सामने आया है। वैसे सरकारी अधिकारियों के मुताबिक पश्चिमी देश लंबे समय से पाकिस्तान पर लंबी दूरी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइलों की परियोजना खत्म करने के लिए दबाव डालते रहे हैं। अब पाकिस्तान की आर्थिक मुसीबत का फायदा उठा कर आईएमएफ ने उनकी इस मांग को पूरा करने का दबाव बना दिया है।

पाकिस्तान के पास शाहीन–3 मिसाइलें हैं, दो 7,750 किलोमीटर तक परमाणु हथियार दाग सकती हैं। यानी पाकिस्तान इन मिसाइलों के जरिए भारत के हर हिस्से और पश्चिम एशिया तक के देशों को निशाना बना सकता है। डार ने कहा– 'परमाणु मिसाइल प्रोग्राम पर पाकिस्तान में कोई समझौता करने नहीं जा रहा है।डार के इस बयान से कुछ देर पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से भी इस बारे में बयान जारी किया गया। उसमें कहा गया– 'पाकिस्तान का मिसाइल कार्यक्रम एक राष्ट्रीय संपत्ति है, जिसकी पाकिस्तान सरकार सुरक्षा करेगी।' इस बयान में दावा किया गया कि पाकिस्तान का मिसाइल प्रोग्राम पूरी तरह सुरक्षित और दोषमुक्त है।अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम को लेकर कुछ रिपोर्टें अखबारों में छपी थीं। उसके बाद सोशल मीडिया पर इसकी खूब चर्चा रही है। पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक रफायल मारिआनो ग्रोसी पाकिस्तान की यात्रा पर आए थे। उसके बाद ऐसी चर्चाएं और जोर पकड़ गईं कि पाकिस्तान पर परमाणु मिसाइल प्रोग्राम खत्म करने का दबाव डाला जा रहा हैइस बीच आईएमएफ से निराशा हाथ लगने के बाद पाकिस्तान ने फिर से चीन की मिजाजपुर्सी शुरू कर दी है। पाकिस्तान के विदेश सचिव इस समय चीन गए हुए हैं, जबकि संभावना है कि पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर अगले हफ्ते बीजिंग जाएंगे। चीन के लिए रवाना होने से पहले विदेश सचिव ने वित्त मंत्री डार से उनके कार्यालय जाकर लंबी बातचीत की। चीन ने हाल में पाकिस्तान को दो बिलियन डॉलर की सहायता देने का एलान किया था, जिसमें 1.2 बिलियन डॉलर का वह भुगतान कर चुका है।

रामसहाय यादव बने नेपाल के तीसरे उपराष्ट्रपति, जानें कौन–कौन सी पार्टियों ने दिया वोट

नेपाल के मधेस क्षेत्र के नेता रामसहाय यादव शुक्रवार को देश के तीसरे उपराष्ट्रपति चुने गए हैं। नेपाल के आठ दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन के समर्थन वाले उम्मीदवार रामसहाय यादव ने सीपीएन–यूएमएल की अष्ट लक्ष्मी शाक्य और जनमत पार्टी की ममता झा को हराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रामसहाय यादव ने 184 संघीय और 329 प्रांतीय सांसदों से 30,328 वोट हासिल किए।

हालांकि, चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक तौर पर नतीजे घोषित नहीं किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनकी अपनी पार्टी के अलावा, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन–माओवादी सेंटर और सीपीएन–यूनिफाइड सोशलिस्ट ने उन्हें वोट दिया है। वहीं अब रामसहाय यादव निवर्तमान नंद बहादुर पुन का स्थान लेंगे। नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में मधेसी समुदाय ज्यादातर भारतीय मूल के हैं।

राम सहाय प्रसाद यादव का सफर

राम सहाय प्रसाद यादव ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1990 में नेपाल सद्भावना पार्टी से की थी। वह मधेसी जन अधिकार फोरम के संस्थापक महासचिव रहे और पहले मधेश आंदोलन (2007) में उनकी सक्रिय भूमिका थी। साथ ही राम सहाय यादव पिछले साल नवंबर में हुए चुनाव में बारा–2 से प्रतिनिधि सभा के लिए चुने गए थे।

इसमें कहा गया है कि शाक्य को 104 संघीय और 169 प्रांतीय सांसदों से वोट मिले और ममता झा को 23 संघीय और 15 प्रांतीय सांसदों से वोट मिले। वहीं नेपाल में 2008 में संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली को अपनाने के बाद से यह तीसरा उप–राष्ट्रपति चुनाव है।

गणराज्य प्रणाली को अपनाने के बाद से उपराष्ट्रपति का तीसरा चुनाव

राष्ट्रपति की तरह, उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल करता है जिसमें संघीय संसद (प्रतिनिधि सभा और नेशनल असेंबली) और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्य शामिल होते हैं। संघीय संसद के 332 मतदाताओं और प्रांतीय विधानसभाओं के 550 मतदाताओं के मतों का कुल भारांक 52,628 होता है, इस प्रकार एक उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए कम से कम 26,315 मत प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। 2008 में देश द्वारा संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली को अपनाने के बाद से यह तीसरा उपराष्ट्रपति चुनाव है। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है।

अध्यक्ष बनने के सवाल पर सचिन तेंदुलकर ने गांगुली पर ली चुटकी, जवाब सुन सब रह गए हैरान

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।हरभजन के साथ पहली मुलाकात की कहानीसचिन ने साथ ही हरभजन सिंह के साथ अपनी पहली मुलाकात की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा– मुझे याद है मैंने भज्जी को पहली बार मोहाली में 90 के दशक में देखा था। किसी ने मुझसे कहा कि ये श्दूसराश बहुत अच्छा डालता है। मैंने कहा– अच्छा, उसे नेट्स पर बुलाओ। नेट्स पर हर गेंद डालने के बाद वापस रन–अप पर जाने से पहले वो मेरे पास आता और कहता– क्या पाजी? और फिर चला जाता।सचिन ने कहा– जब वह टीम में आए, तब उन्होंने इस घटना का जिक्र किया। भज्जी ने कहा– पाजी आपसे एक बात करनी है। याद कीजिए जब मैंने आपको पहली बार मोहाली में नेट्स में गेंदबाजी की थी। मैं आपको बोलता था क्या पाजी। आप पूछते थे मुझे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं और फिर कहते थे कुछ नहीं–कुछ नहीं। मुझे आज पता चला आपके आदत के बारे में कि हर बार गेंद का सामना करने से पहले आप अपना हेलमेट ठीक करते हैं। सिर हिलाना आपकी आदत थी। सचिन का करियरसचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू 1989 में किया था। उनका पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ रहा था। सचिन ने अपने करियर में कुल 200 टेस्ट मैच खेले और 15921 रन बनाए। उन्होंने इस फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। वहीं, वनडे में 18426 रन बनाए और 49 शतक जड़े। ओवर ऑल करियर की बात करें तो 664 मैचों में सचिन ने 34357 रन बनाए। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सवाल पर अपने जवाब से सभी को चौंका कर रख दिया है। उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिससे उनके आसपास मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल, सचिन एक मीडिया कॉन्क्लेव में पहुंचे थे। वहां उनसे जब बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के बारे में पूछा गया तो सचिन ने बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली पर चुटकी ली। सचिन ने मजाकिया लहजे में कहा– मैं रोजर बिन्नी और सौरव गांगुली की तरह तेज गेंदबाजी नहीं करता। गांगुली एक दौरे पर 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंदबाजी करने की बात कर रहे थे और बाद में उनकी कमर में तकलीफ आ गई। मैं 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक गेंद नहीं फेंकता हूं। सचिन तेंदुलकर ने एक तरह से व्यंग्य करते हुए इस सवाल को खारिज कर दिया।पिच विवाद पर क्या बोले सचिन?भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में टेस्ट सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के दौरान पिचों को लेकर बवाल मचा था। पहले भी कई बार पिचों को लेकर विवाद होते रहे हैं। इ पर सचिन ने कहा– टेस्ट क्रिकेट में यह बहस नहीं होनी चाहिए कि वह कितने दिन तक चला था, बल्कि यह होनी चाहिए कि वह कितना इंगेजिंग रहा। जब आप किसी भी दौरे पर जाते हैं तो वहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNINo.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजीकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा